हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रुथ पथ

धनबाद, गुरूवार
19 मार्च 2026
वर्ष : 03 अंक : 167
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

विधायक नवीन जायसवाल की बेटी के विवाह उपरांत समारोह में पहुंचे मुख्यमंत्री, नवदंपति को दिया आशीर्वाद

रांची, (एजेंसी) : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और उनकी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन बुधवार को रांची के कटहल मोड़ स्थित दीपाटोली में हटिया से विधायक नवीन जायसवाल के आवास पहुंचे।

मुख्यमंत्री वहां विधायक नवीन जायसवाल की पुत्री माही जायसवाल के विवाह के बाद आयोजित आशीर्वाद समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की और हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

इस मौके पर कल्पना सोरेन ने भी नवदंपति को मंगलकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विधायक नवीन जायसवाल और उनके परिवारजनों से मुलाकात कर खुशी व्यक्त की और पारिवारिक माहौल में कुछ समय बिताया।

महिला और वंचित युवाओं के लिए सरकार शुरू करेगी मंईयां बलवान और उद्यमी योजना : मुख्यमंत्री

रांची, (एजेंसी) : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के 17 वें दिन बुधवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सदन को लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच बताते हुए राज्य की प्रगति, योजनाओं और भविष्य की दिशा पर विस्तार से जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले छह वर्षों में राज्य का बजट 86 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 1 लाख 58 हजार 560 करोड़ रुपये हो गया है, जो करीब 85 प्रतिशत की वृद्धि है। उन्होंने बताया कि वित्तीय प्रबंधन के मामले में झारखंड अब देश में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

सामाजिक सुरक्षा के तहत सर्वजन पेंशन योजना का दायरा बढ़ाकर 36 लाख से अधिक लोगों तक पहुंचाया गया है। मंईयां सम्मान योजना से 50 लाख से अधिक महिलाओं को लाभ मिल रहा है। महिलाओं और बच्चियों के लिए इस वर्ष 34 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि झारखंड देश का एकमात्र राज्य है जिसने सामाजिक सुरक्षा पेंशन को व्यापक रूप से लागू किया है। 2019 में जहां भारत सरकार की सहायता से लगभग 11-12 लाख लोगों को पेंशन मिल रही थी, वहीं आज राज्य में सर्वजन पेंशन योजना से जुड़कर 36 लाख से अधिक लोग लाभ ले रहे हैं। हमने एकल महिलाओं और परित्यक्ता महिलाओं की पीड़ा को समझते हुए उन्हें भी इस दायरे में शामिल किया- यह केवल योजना नहीं, बल्कि संवेदनशील शासन का उदाहरण है। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत 14,065 करोड़ का प्रावधान महिलाओं के सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी झारखंड ने एक मिसाल कायम किया है। जहां कई राज्यों में यह केवल चुनावी वादा बनकर रह गया, वहीं हमने इसे धरातल पर उतारा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंईयां योजना के तहत 20,000 करोड़ की राशि हस्तांतरित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि आज झारखंड देश का वह राज्य है जो अपने बजट का सर्वाधिक प्रतिशत महिलाओं और बच्चों पर खर्च कर रहा है-यह हमारे संकल्प का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत 14,065 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है और कुल मिलाकर 34 हजार करोड़ रुपये महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए खर्च होंगे। उन्होंने कहा कि मेरे लिए यही असली राजनीति है। मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों और वंचित समाज के लोगों को आजीविका से जोड़ने के लिए जोहार परियोजना का दूसरा चरण शुरू किया जाएगा। इसके अन्तर्गत अगले 03 साल में पूरे राज्य में सभी मंईयां और वंचित समाज के युवाओं में आजीविका और उद्यमिता को बढ़ाने के लिए खास तौर पर मंईयां बलवान योजना और मंईयां उद्यमी योजना को अलग-अलग समय में धरातल पर उतारा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब हम इस पहल को अगले स्तर पर ले जा रहे हैं। युवाओं और महिलाओं को माइक्रो इंटरप्राइज शुरू करने के लिए 5 करोड़ रुपये तक का कैपिटल इसेंटिव देने की योजना पर हम काम कर रहे हैं।

राज्य सरकार स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के द्वारा उत्पादित वस्तुओं की पलाश और आदीवा ब्रांड नाम से बाजार तक पहुंच सुनिश्चित कर रही है। इन ब्रांड्स को और मजबूत बनाने के लिए हम नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाईन से जोड़ते हुए आगे बढाएंगे। उन्होंने कहा कि हम मदद बांटने वाली सरकार नहीं हैं, बल्कि हम अवसर बनाने वाली सरकार हैं।सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के खुलेंगे 100 नए स्कूल

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में 80 सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस शुरू किए जा चुके हैं और 100 नए स्कूल खोले जाएंगे। चतरा में डॉ भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय की स्थापना होगी। इसके अलावा नए डिग्री कॉलेज और इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने की योजना है। विदेश में पढ़ाई के लिए छात्रों को स्कॉलरशिप भी दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने एक कार्यकाल में तीन जेपीएससी परीक्षाएं आयोजित की गई हैं और कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू की गई है।

उन्होंने कहा कि तकनीक और विकास के क्षेत्र में सीएम डेटा इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म बनाया जाएगा, जिससे योजनाओं की निगरानी होगी। राज्य में आईटी पार्क और इको टूरिज्म को बढ़ावा देने की योजना है। ऊर्जा के क्षेत्र में भी स्वच्छ ऊर्जा पर काम किया जाएगा।

ब्रीफ न्यूज

सदन चलाने में सत्तापक्ष और विपक्ष का सहयोग लोकतांत्रिक परंपराओं का उत्कृष्ट उदाहरण : स्पीकर

रांची, (एजेंसी) : झारखंड विधानसभा बजट सत्र 2026 के दौरान बुधवार को सदन की कार्यवाही की दूसरी पाली में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जवाब के साथ ही स्पीकर रबीन्द्र नाथ महतो ने सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी। इस अवसर पर सदन में स्पीकर ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 का तृतीय अनुपूरक बजट और वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट, जिसकी कुल राशि एक लाख 58 हजार 560 करोड़ रुपये है। यह बजट राज्य के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्पीकर ने अपने समापन संबोधन में कहा कि 18 फरवरी 2026 से लेकर 18 मार्च 2026 तक संचालित इस बजट सत्र में 17 कार्य दिवस रहा और यह सत्र 19 मार्च तक प्रस्तावित था। लेकिन 14 मार्च को अवकाश के दिन सदन का कार्य किया गया, इसलिए एक दिन पूर्व आज ही सत्र समापन हो गया।

इस दौरान स्पीकर ने कहा कि इस बजट सत्र में कुल 242 अल्पसूचित प्रश्न स्वीकृत किए गए, जिनमें से 62 प्रश्नों के उत्तर सदन में दिए गए। **शेष पृष्ठ-4.....**

खूंटी से एक लाख के इनामी पीएलएफआई एरिया कमांडर ने किया आत्मसमर्पण

खूंटी, (एजेंसी) : प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के एरिया कमांडर हाबिल मुंडू उर्फ प्रफुल्ल मुंडा (30) वर्ष ने बुधवार को खूंटी की उपायुक्त आर रॉनिटा और पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया।

मौके पर उपायुक्त ने गुलदस्ता देकर उसका स्वागत किया। प्रफुल्ल के खिलाफ विभिन्न थानों में 22 मामले दर्ज हैं। सरकार की ओर से प्रफुल्ल के खिलाफ एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया था। एसपी कार्यालय में आत्मसमर्पण के दौरान प्रफुल्ल की पत्नी और बच्चा भी मौजूद थे। मौके पर जिले के पुलिस कप्तान मनीष टोप्पो ने कहा किझारखंड सरकार के नक्सल मुक्त राज्य के संकल्प के तहत चलाए जा रहे अभियान में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के एरिया कमांडर हाबिल मुंडू उर्फ प्रफुल्ल मुंडा ने सरकारी आत्मासर्पण नीति से प्रभावित होकर समाज की मुख्य धारा में शामिल होने का निर्णय लिया।

दिल्ली के पालम की रामचौक मार्केट में आग से नौ लोगों की मौत, जांच के आदेश

नई दिल्ली, (एजेंसी) : दिल्ली के द्वारका जिले के पालम इलाके की रामचौक मार्केट स्थित एक बहुमंजिली इमारत में बुधवार सुबह लगी आग में अब तक नौ लोगों की मौत हो चुकी है। मृतकों में तीन मासूम लड़कियां भी हैं। हादसे में कई लोग झुलस गए हैं। कइयों ने जान बचाने के लिए इमारत से छलांग लगा दी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हादसे की जांच मजिस्ट्रेट से कराने के आदेश दिए हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट में इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के आश्रितों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये के मुआवजे की घोषणा की है। प्रधानमंत्री ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

मुख्यमंत्री गुप्ता ने एक्स पोस्ट पर लिखा कि पालम स्थित बहुमंजिला आवासीय भवन में हुई भीषण अग्निकांड के बारे में जानकर अत्यंत व्यथित हूं। जिला प्रशासन, दिल्ली अग्निशमन विभाग और दिल्ली

पुलिस बचाव अभियान जुटे हुए हैं। घटना की जांच मजिस्ट्रेट से कराने के आदेश दिए गए हैं।

पुलिस के अनुसार मृतकों में दो पुरुष प्रवेश (33) तथा कमल (39) और चार महिलाएं आशु (35), लाडो (70), हिमांशी (22) तथा दीपिका (28) हैं। मृतकों में तीन नाबालिग लड़कियां भी हैं जिनकी आयु 15 वर्ष, 6 वर्ष और 3 वर्ष है। सफदरजंग अस्पताल में 19 वर्षीय युवक को भर्ती कराया गया है, जो 25 प्रतिशत झुलस गया है।

पुलिस के अनुसार, इस इमारत (डब्ल्यूजेड-124ए) के बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर और पहली मंजिल पर कपड़ा और कॉस्मेटिक का शोरूम है। यह मार्केट प्रधान राजेंद्र कश्यप का बताया जा रहा है। दूसरी और तीसरी मंजिल पर उनका परिवार रहता है। आग तेजी से पूरी बिल्डिंग में फैल गई, जिससे अंदर मौजूद लोग फंस गए। सूचना पाते ही पालम विलेज थाने के एसएचओ समेत पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया।दमकल विभाग की 20 गाड़ियां और 11 एंबुलेंस भेजी गईं। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

पुलिस के मुताबिक आग लगने के दौरान दो लोगों ने जान बचाने के लिए बिल्डिंग से छलांग लगा दी, जिन्हें गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया। दमकलकर्मियों ने अब तक 10 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला है। घटना की जांच के लिए एफएसएल टीम को बुलाया गया है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। मौके पर पुलिस, दमकल, बीएसईएस, एयरफोर्स, पुलिस और एनडीआरएफ की टीमें मौजूद हैं।

बिहार विधान परिषद समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से की मुलाकात

रांची, (एजेंसी) : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से बुधवार को झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में बिहार विधान परिषद की बाल संरक्षण एवं महिला सशक्तिकरण समिति के सदस्यों ने शिष्टाचार मुलाकात की।इस अवसर पर मुख्यमंत्री को उन्होंने बिहार विधान परिषद की बाल संरक्षण एवं महिला सशक्तिकरण समिति की ओर से किए जा रहे कार्यों से अवगत कराया। समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री के समक्ष कहा कि उन्होंने झारखंड विधानसभा परिभ्रमण के अवसर पर झारखंड विधानसभा की महिला बाल विकास समिति की ओर से किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की तथा एक-दूसरे के कार्यों के अनुभव भी साझा किए।

मौके पर झारखंड विधानसभा की महिला बाल विकास समिति की सभापति विधायक कल्पना सोरेन भी उपस्थित रहीं। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वालों में बिहार विधान परिषद की बाल संरक्षण एवं महिला सशक्तिकरण समिति की अध्यक्ष डॉ. कुमुद वर्मा, सदस्य रीना यादव, मुन्नी देवी एवं निवेदिता सिंह सहित अन्य शामिल थे।

राज्यसभा सदस्यों की विदाई : लंबे अनुभव से नई पीढ़ी के सांसदों को सीख लेनी चाहिए : पीएम मोदी

देवगौड़ा, खड़गे और शरद पवार के लंबे संसदीय अनुभव का किया उल्लेख

नई दिल्ली,(एजेंसी) : राज्यसभा में बुधवार को 37 सदस्यों को विदाई दी गई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भावपूर्ण संबोधन देते हुए सेवानिवृत्त हो रहे सांसदों के योगदान की सराहना की और नए सदस्यों से उनके अनुभवों से सीखने की अपील की।प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सदन से विदा ले रहे कई सदस्य ऐसे हैं, जिन्होंने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा संसदीय कार्यप्रणाली को समर्पित किया है। उन्होंने विशेष रूप से एच. डी. देवगौड़ा, मल्लिकार्जुन खड़गे और शरद पवार का उल्लेख करते हुए कहा कि इन नेताओं ने अपनी आधी से अधिक उम्र संसद में बिताई है।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इतने लंबे अनुभव से नई पीढ़ी के सांसदों को सीख लेनी चाहिए। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदारी और समर्पण का भाव इन वरिष्ठ नेताओं से सीखने की

प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी विदा हो रहे सदस्यों के योगदान को लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण बताया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

यहां बताते चलें कि संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण का बुधवार को आठवां दिन है। इससे एक दिन पहले ही निलंबित किए गए आठ सांसदों का निलंबन भी वापस ले लिया गया, जिससे सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चली। राज्यसभा में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सदस्यों के सवालों के जवाब दिए और इसके बाद विनियोग विधेयक 2026 पेश किया। इस विधेयक के तहत वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सरकार के 2.01 लाख करोड़ रुपये के अतिरिक्त खर्च के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। चर्चा के बाद राज्यसभा ने विनियोग विधेयक को वॉइस वोट से पारित कर लोकसभा को भेज दिया। इस दौरान सदन में विभिन्न मुद्दों पर सार्थक चर्चा भी हुई, जिससे संसदीय प्रक्रिया की सक्रियता और गंभीरता का प्रदर्शन हुआ।

आई-पैक मामले में सुप्रीम कोर्ट में ममता सरकार का तर्क, ईडी को याचिका दाखिल करने का अधिकार नहीं

नई दिल्ली,(एजेंसी) : बंगाल की राजधानी कोलकाता में पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक के ऑफिस और उसके को-फाउंडर प्रतीक जैन के घर पर रेड मामले में दाखिल प्रवर्तन निदेशालय की याचिका पर पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने सवाल खड़े किए हैं। ईडी की याचिका में दावा किया गया है कि रेड के वक्त मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आला पुलिस अधिकारियों के साथ पहुंचीं और छापेमारी में बाधा डालकर सबूत नष्ट किए। याचिका में रेड में बाधा डालने और सबूत नष्ट करने पर ममता और सीनियर पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सीबीआई जांच की मांग की गई है।

इस याचिका पर बुधवार को बंगाल सरकार के वकील श्याम दीवान ने कहा कि ईडी अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दाखिल नहीं कर सकती है, यह अनुच्छेद मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए है और ईडी कोई व्यक्ति नहीं है इसलिए उसके मौलिक अधिकार नहीं हो सकते। वकील दीवान ने कहा कि क्या ईडी अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दाखिल कर सकती है, यह एक संवैधानिक प्रश्न है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 145 के तहत इसतरह के मामलों की सुनवाई करीब 5 जजों की बेंच में होनी चाहिए। इस पर ईडी की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि बंगाल सरकार खुद आर्टिकल 32 के तहत रिट पिटिशन दाखिल कर चुकी है और केरल सरकार भी ऐसा कर चुकी है। इन्होंने राज्य के तौर पर याचिका दाखिल की थी।

बात दें कि इस मामले में ईडी का आरोप है कि 8 जनवरी 2026 को कोयला घोटाले से जुड़े मामले में जब वे आई-पैक के दफ्तर में छापेमारी कर रहे थे, तब ममता बनर्जी ने हस्तक्षेप किया, सबूतों को गायब किया और उनके काम में बाधा डाली। इस मामले में ईडी ने सुप्रीम कोर्ट से ममता और बंगाल के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सीबीआई जांच की मांग की है। जबकि ममता सरकार ने दलील दी कि ईडी की याचिका दुर्भावनापूर्ण है और इसका उद्देश्य 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी को निशाना बनाना है। राज्य सरकार के वकील श्याम दीवान ने तर्क दिया कि क्या कोई केंद्रीय एजेंसी अनुच्छेद 32 के तहत रिट याचिका दायर कर सकती है, और इस मामले को 5 जजों की संवैधानिक बेंच के पास भेजा जाना चाहिए।

एक लाख का इनामी नक्सली पीएलएफआई का एरिया कमांडर ने पुलिस के सामने हथियार और कारतूस के साथ किया आत्मसमर्पण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

खूंटी : खूंटी पुलिस के समक्ष बुधवार को एक लाख का इनामी पीएलएफआई नक्सली (30 वर्षीय) हाबिल मुंडू उर्फ प्रफुल्ल मुंडू ने पुलिस के सामने हथियार और कारतूस के साथ आत्मसमर्पण किया। हाबिल मुंडू मुरहू थाना क्षेत्र के बम्हनी का निवासी है। हाबिल ने झारखंड सरकार की सरेंडर पॉलिसी नई दिशा के तहत आत्मसमर्पण किया। नक्सली एरिया कमांडर ने तीन पिस्टल, 13 कारतूस और दो वॉकी टॉकी के साथ खूंटी पुलिस प्रशासन के समक्ष आत्मसमर्पण किया। खूंटी डीसी और एसपी ने आत्मसमर्पण नीति के तहत संयुक्त रूप एक लाख की राश की चेक सौंपी।प्रेस वार्ता कर खूंटी उपायुक्त ऑर रॉनिटा ने बताया कि सरकार की आत्मसमर्पण नीति के तहत पीएलएफआई के एरिया कमांडर हाबिल मुंडू को सरेंडर पॉलिसी का लाभ दिया जा रहा है।

इससे प्रभावित होकर अन्य नक्सली उग्रवादी भी सरकार की नई दिशा पॉलिसी का लाभ लेंगे और आत्मसमर्पण करेंगे।खूंटी पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो ने बताया कि हाबिल मुंडू एक दशक से ज्यादा समय से नक्सली गतिविधियों में शामिल रहा है और विभिन्न थाना क्षेत्रों में दर्जनों नक्सली वारदातों को अंजाम देने में शामिल रहा है। पीएलएफआई का एरिया कमांडर बनने के बाद उसने जंगलों में हथियार चलाने का प्रशिक्षण लिया और कई बड़ी घटनाओं को अंजाम दिया।एरिया कमांडर हाबिल मुंडू के खिलाफ खूंटी, मुरहू, तोरपा और कर्रा थाना में दर्जनों मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार 2016 में गिरफ्तारी के बाद सात वर्षों तक जेल की हवा भी खा चुका। 2023 में जेल से बाहर आने के बाद फिर नक्सली गतिविधियों में सक्रिय रहा। दिसंबर 2025 में खूंटी थाना क्षेत्र के ग्राम दुगडुगिया में ठेकेदार से लेवी वसूली के लिए फायरिंग की घटना,उग्रवादियों ने संगठन के नाम से पर्चा फेंककर दहशत फैलायी और फोन-पे के जरिए 15 हजार रुपये वसूले। बाकी रकम की मांग जारी थी।पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार इस दौरान आरोपी ने कई गंभीर अपराध किया।सड़क निर्माण कार्य में लगे लोगों पर हमला, हथियार के साथ गिरफ्तारी। 2014 में मोटरसाइकिल छीनने और हथियार छिपाने का मामला, पुलिस ने हथियार बरामद किए।2015ः रंगदारी, फसल नष्ट करना, पिस्तौल दिखाकर धमकी और लगातार लूट की घटनाएं,जनवरी 2016ः बैंक कर्मी से पैसे की लूट,2016ः मुरहू क्षेत्र में निर्माण कार्य में लगे व्यक्ति की हत्या,2016 में लगातार वारदात, फिर गिरफ्तारी

फरवरीझ्रमार्च 2016 के दौरान आरोपी और उसके साथियों ने पेट्रोल पंप में डकैती की योजना,सड़क निर्माण कार्य में लेवी वसूली

बड़ी आपराधिक घटना की साजिश जैसी गतिविधियों में हिस्सा लिया। इसी दौरान पुलिस ने उसे हथियार और गोली के साथ गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद वह करीब 7 वर्षों तक जेल में रहा।वर्ष 2023 में जेल से बाहर आने के बाद हाबिल मुंडू फिर से उग्रवादी नेटवर्क से जुड़ गया। वह मोबाइल ऐप के जरिए अपने साथियों से संपर्क में रहकर लेवी वसूली, फायरिंग और दहशत फैलाने का काम करने लगा।2024झ्र2025 में भी जारी रही आपराधिक गतिविधियां,जुलाई 2024 (खूंटी)।वाहन दुर्घटना मामले में भी नाम सामने आया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हुई,अगस्त 2025ः लूट की योजना बनाते समय साथियों के साथ पुलिस कार्रवाई, कुछ आरोपी हथियार के साथ पकड़े गए।

संक्षिप्त खबरें

कंपनी से निकलते ही बेहोश होकर गिरा ठेकाकर्मी,हुई मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : बमार्माइंस थानांतर्गत टाटा स्टील कंपनी के बमार्माइंस गेट के पास ड्यूटी कर बाहर निकलने के साथ ही बेहोश होकर गिरने से ठेका कर्मी सत्य नारायण निशाद (48) की मौत हो गई।सत्या के शव को पुलिस ने अपने कब्जे में कर उसे टीएमएच के शीतगृह में रख दिया गया है।घटना मंगलवार की रात करीब साढ़े दस बजे की है। मौत की सूचना मिलने के बाद परिजन टीएमएच पहुंचे जहां परिजनों ने हंगामा मचाया।उसके बाद ठेका कंपनी के मालिक को बुलाने और मुआवजा दिलाने की मांग को हंगामा मचाया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि सत्य नारायण बमार्माइंस के भक्ति नगर का रहने वाला है।मंगलवार को वह बी शिफ्ट ड्यूटी गया था। ड्यूटी पूरा करने के बाद वह घर जाने के लिए जैसे ही कंपनी गेट पर पहुंचे, अचानक से बेहोश होकर गिर गये।उसके बाद सुरक्षा गार्ड ने इसकी जानकारी कंपनी प्रबंधन को दी।जिसके बाद कंपनी के एंबुलेंस से सत्य नारायण को फौरन टीएमएच लाया गया।जहां जांच के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

वहीं मौत की जानकारी मिलने के बाद बुधवार की सुबह सत्य नारायण के परिवार के लोग और बस्ती के लोगों ने टीएमएच अस्पताल पहुंचे।जहां ठेका कंपनी के एक भी पदाधिकारी की मौजूदगी नहीं होने के कारण परिजनों ने हंगामा मचाना शुरू कर दिया।लोगों ने आरोप लगाया कि ठेका कर्मी की ऑन ड्यूटी मौत होने के बाद एक बार झाकने तक कंपनी के लोग नहीं आये। परिजनों ने बताया कि जब तक मुआवजा को लेकर सहमति नहीं बनेगी।तब तक शव का पोस्टमार्टम नहीं किया जायेगा। हल्ला हंगामा की सूचना मिलने के बाद दोपहर करीब 11 बजे ठेका कंपनी के वरीय अधिकारी और मालिक टीएमएच पहुंचे,मृतक के परिजनों से वार्ता किये।ठेकाकर्मी सत्य नारायण निशाद के परिवार के लोगों ने ठेका कंपनी से 25 लाख रुपये मुआवजा की मांग की है। ठेका कंपनी प्रबंधन के अधिकारी और मृतक के आश्रितों के बीच मुआवजा की मांग को लेकर वार्ता किया गया। जहां परिजनों ने 25 लाख रुपये का मुआवजा मांगा।परिजनों ने बताया कि सत्य नारायण के बेटे का नामांकन भुवनेश्वर के इंजीनियरिंग कॉलेज में हो चुका है। ऐसे में उसकी पढ़ाई काफी जरूरी है।मुआवजा कर राशि को लेकर अब तक पक्की वार्ता नहीं हो पाई है।

झारखंड में संवैधानिक पद खाली रहने पर हाईकोर्ट सख्त, सरकार को जल्द नियुक्ति का आदेश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांच : झारखंड में संवैधानिक संस्थाओं में लंबे समय से खाली पड़े पदों को लेकर हाईकोर्ट ने एक बार फिर कड़ा रुख अपनाया है। चीफ जस्टिस एम.एस. सोनक और न्यायाधीश राजेश शंकर की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान राज्य सरकार पर नाराजगी जताते हुए कहा कि चार वर्षों से अधिक समय तक संस्थाओं को निष्क्रिय रखना किसी भी सूरत में उचित नहीं है।सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन ने पक्ष रखा, जबकि प्रार्थी राजकुमार की ओर से अधिवक्ता वी.पी. सिंह उपस्थित हुए। अदालत ने स्पष्ट कहा कि संवैधानिक संस्थाएं लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ होती हैं और इनमें अध्यक्ष व सदस्यों के पद खाली रहने से उनकी कार्यक्षमता गंभीर रूप से प्रभावित होती है।खंडपीठ ने सरकार को निर्देश दिया कि सभी रिक्त पदों को जल्द से जल्द भरकर संस्थाओं को सक्रिय किया जाए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि इसमें और देरी हुई तो अदालत कड़े आदेश पारित करने के लिए स्वतंत्र होगी।यह मामला अवमानना याचिका से जुड़ा है। इससे पहले भी हाईकोर्ट राज्य सरकार को समयबद्ध तरीके से नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दे चुका है, लेकिन अपेक्षित सुधार नहीं होने पर अदालत का रुख और सख्त हो गया है।दरअसल, लोकायुक्त, मानवाधिकार आयोग, मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्त समेत कई महत्वपूर्ण पद लंबे समय से खाली हैं। इसको लेकर प्रार्थी राजकुमार ने अवमानना याचिका दायर की है। अदालत ने कहा कि इन पदों के खाली रहने से प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही पर असर पड़ता है, इसलिए त्वरित कार्रवाई जरूरी है।अब अगली सुनवाई में यह देखना अहम होगा कि राज्य सरकार अदालत के निर्देशों का पालन करते हुए नियुक्ति प्रक्रिया को कितनी तेजी से आगे बढ़ाती है, या फिर हाईकोर्ट को और सख्त कदम उठाने पड़ते हैं।

रामनवमी जुलूस में डीजे रोक को लेकर भाजपा-आजसू का प्रदर्शन, सरकार पर तुष्टीकरण का आरोप

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के अंतिम दिन बुधवार को सदन के परिसर ह्यजय श्रीरामह्व के नारों से गूंज उठा। कार्यवाही शुरू होने से पहले विधानसभा पोर्टिको में भाजपा और आजसू के विधायकों ने भगवान श्रीराम की तस्वीर के साथ प्रदर्शन किया और रामनवमी के दौरान डीजे बजाने पर लगाए गए प्रतिबंध का विरोध जताया।विपक्षी विधायकों ने हजारीबाग के बड़कागांव के महूदी क्षेत्र में रामनवमी जुलूस के दौरान डीजे पर रोक को लेकर सरकार पर तुष्टीकरण का आरोप लगाया। भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद ने इसे ह्लतुगलकी फरमानह्व बताते हुए कहा कि स्थानीय परंपराओं के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस मुद्दे को सदन में भी उठाया जाएगा।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने भी प्रशासनिक प्रतिबंधों को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए सवाल उठाया कि महूदी क्षेत्र को लगातार ह्लसंवेदनशीलह्व क्यों बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्वों पर सख्ती के बजाय ऐसे फैसलों से माहौल और बिगड़ता है।वहीं, सरकार की ओर से मंत्री इरफान अंसारी ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि रामनवमी मनाने पर कोई रोक नहीं है, केवल डीजे बजाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। उन्होंने इसे कोर्ट के निर्देश और स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़ा कदम बताया। साथ ही चेतावनी दी कि माहौल बिगाड़ने और लोगों को उकसाने वाले विधायकों पर कार्रवाई की जाएगी।

चैत नवरात्र को लेकर मां भद्रकाली मंदिर में तैयारी पूरी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

चतरा : चैत नवरात्र का तैयारी मां भद्रकाली मंदिर में पूरा कर लिया गया है।पर्व 19 मार्च से शुरू हो रहा है।इस बार 72 साल बाद चैत्र अमावस्या के साथ दुर्लभ योग बन रहा है।यह जानकारी पुजारी विवेक पांडेय व अमित पांडेय ने दी। पुजारियों ने कहा कि शक्ति की उपासना के लिए यह दिन बहुत ही शुभ माने जाते हैं, हिंदू पंचांग के अनुसार नवरात्र की शुरूआत चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होती है।चैत्र नवरात्रि का कलश स्थापना 19 मार्च के दिन गुरुवार को प्रात 6:40 मिनट के बाद किसी भी समय किया जा सकता है।इस बार मां दुर्गा का आगमन डोली पर हो रहा है तथा प्रस्थान गज पर होगा। मां भद्रकाली मंदिर में कई क्षेत्रों से साधक आते हैं। नौ दिनों तक साधना में लीन रहते हैं।

बष्टमपदा प्राथमिक विद्यालय में गतिरोध बरकरार: दूसरे दिन भी लगा रहा ताला, शिक्षक और ग्रामीणों के बीच विवाद सुलझाने की कोशिशें विफल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : बंदगांव प्रखंड अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय बष्टमपदा में शिक्षक और अभिभावक के बीच शुरू हुआ विवाद अब तूल पकड़ता जा रहा है।विवाद के कारण बुधवार को लगातार दूसरे दिन भी विद्यालय में ताला लटका रहा और पठन-पठन पूरी तरह ठप रहा. मामले को सुलझाने के लिए सीआरपी संजीव कुमार मंडल ने ग्रामीणों के साथ बैठक की, लेकिन ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े रहे और कोई समाधान नहीं निकल सका।विवाद की शुरूआत दो दिन पहले तब हुई जब गांव की पुष्पा वोयपाई अपने दो बच्चों को लेकर स्कूल पहुंची थीं।इनमें से एक बच्चे की उम्र महज तीन साल थी। विद्यालय की शिक्षिका पीपुन कुमारी ने छोटे बच्चे को घर वापस ले जाने को कहा, जिस पर दोनों पक्षों के बीच तीखी नोंकझोंक

हो गई।ग्रामीणों का आरोप है कि शिक्षिका का व्यवहार ठीक नहीं था, जबकि शिक्षिका का कहना है कि उन्होंने केवल सरकारी नियमों का पालन किया है।

मंगलवार को मुखिया सुखमति जोंको की अध्यक्षता में ग्रामसभा बुलाई गई थी, जिसमें प्रमुख पीटर घनश्याम तियु और 20 सूत्री सदस्य शिव शंकर महतो समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।बुधवार को भी सीआरपी संजीव कुमार मंडल ने प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण शिक्षिका पीपुन कुमारी के स्थानांतरण की मांग पर अड़े हैं।ग्रामीणों का कहना है कि जब तक कोई वरीय पदाधिकारी मौके पर नहीं आता, स्कूल का ताला नहीं खोला जाएगा। ग्रामीणों ने शिक्षिका पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए उनके अविलंब स्थानांतरण और नए शिक्षक की नियुक्ति की मांग की है। शिक्षिका पीपुन कुमारी ने अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा, मेरे साथ बदसलूकी की गई है।मैं 3 साल के बच्चे को स्कूल में कैसे रख सकती हूं? मैंने सिर्फ सरकारी आदेश का पालन किया है और इसकी जानकारी वरीय अधिकारियों को दे दी है।बीपीओ काली चरण गुप्ता ने ग्रामीणों से फोन पर बात की और बताया कि समस्या की जानकारी एरिया ऑफिसर को दे दी गई है।उन्होंने गुरुवार को स्थल पर पहुंचकर समस्या का समाधान करने का भरोसा दिया है।बुधवार की बैठक में सीआरपी संजीव कुमार मंडल के साथ सुभाष नापित, अजीत महतो, रादेख महतो सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

यूसिल नरवा पहाड़ विस्थापितों की मांग हुई तेज, विधायक संजीव सरदार के पहल पर मुख्यमंत्री से मिले विस्थापित कमिटी के सदस्य

रांची : यूसिल नरवा पहाड़ विस्थापितों के रोजगार और पुनर्वास से जुड़े वर्षों पुराने मुद्दों को लेकर पोटका विधायक संजीव सरदार ने पहल तेज कर दी है। उनके प्रयास से यूसिल नरवा पहाड़ विस्थापित कमिटी का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिला और अपनी समस्याओं को विस्तार से रखा।विस्थापितों ने बताया कि वर्ष 2014 में हुए समझौते के तहत हर वर्ष 8 नियुक्तियों का प्रावधान था, लेकिन अब तक इसका पालन नहीं हो सका, जिससे प्रभावित परिवारों में नाराजगी बनी हुई है। इसके बाद वर्ष 2023 में विधायक संजीव सरदार के हस्तक्षेप के बाद हुई बैठक में अनुकंपा नियुक्तियों के त्वरित निपटारे और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के आश्रितों को 90 दिनों के भीतर रोजगार देने का लिखित आश्वासन दिया गया था।विधायक संजीव सरदार के हस्तक्षेप से मामला अनुमंडल पदाधिकारी तक पहुँचा।धालभूम अनुमंडल पदाधिकारी के कार्यालय में हुई वार्ता में यह सहमति बनी कि अनुकंपा के आधार पर 8 लोगों को तत्काल जॉइनिंग दी जाएगी तथा 120 लोगों की सूची बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स को भेजकर एक महीने के भीतर रोजगार देने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। हालांकि, अब तक इन निर्णयों पर पूरी तरह अमल नहीं हो पाया है।यूसिल नरवा पहाड़ विस्थापित कमिटी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर लंबित नियुक्ति व पुनर्वास पर सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है।उन्होंने कहा की हर बात अपने वादे से मुकर जाना प्रबंधन की आदत सी बन चुकी है, जिसका अब सरकार के पहल से ही समाधान हो सकता है।कमिटी ने विधायक संजीव सरदार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा की विधायक हमेशा ही उनके साथ उनकी समस्याओ को ले कर गंभीर रहे है और उनके सहयोग के लिए कमिटी ने आभार व्यक्त किया।

एग्रो टेक्नोलोजिकल पार्क की अव्यवस्था का मुद्दा विस में उठा,किसानों को नहीं मिल रहा है योजना लाभ: विधायक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : जिले के कुचाई प्रखंड के सुरसी स्थित एग्रो टेक्नोलोजिकल पार्क की अव्यवस्था का मुद्दा विस में उठा।विस के बजट सत्र के अंतिम दिन तारांकित प्रश्न के जरीये इस मुद्दे को उठाते हुए विधायक दशरथ गागराई ने वर्ष 2022 में करीब तीन करोड़ रुपये खर्च कर कुचाई के सुरसी स्थित एग्रो टेक्नोलोजिकल पार्क की स्थापना की गयी थी। इस योजना का उद्देश्य नगदी व व्यवसायिक फसलों का आधुनिक तरीके से खेती दुध उत्पाद, मछली पालन, बकरी पालन, शहद उत्पादन, फूलों की खेती आदि से किसानों की आय में वृद्धि करना था। परंतु वर्तमान समय में इस योजना से क्षेत्र के किसानों को लाभ नहीं मिल पा रही है।श्री गागराई ने आरोप लगाया कि योजना के लिये निर्धारित कार्यकारी एजेंसी बेटर वर्ल्ड फाउंडेशन द्वारा योजना को संचालित नहीं किया जा सका और उसे बिल का भुगतान कर दिया गया। विधायक दशरथ गागराई ने पुछा कि क्या सरकार एग्रो टेक्नोलोजिकल पार्क को नये सिरे से संचालित करने का विचार रखती है ?इस पर कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की ओर से लिखित उत्तर में स्थिति स्पष्ट की गयी। विभाग की ओर से कहा गया कि परियोजना के विभिन्न अवयवों का निर्माण करने के साथ साथ आस पास के गांवों के किसानों को संगठित करते हुए किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) का गठन की जिम्मेवारी संबंधित कार्यकारी एजेंसी ह्यबेटर वर्ल्ड फाउंडेशनह्व की थी। परियोजना के प्रत्येक चरण के पूर्ण होने के पश्चात चयनित संस्था द्वारा किये गये कार्यों के विरुद्ध समर्पित विपत्र का भुगतान उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए एवं सत्यापन के उपरांत किया गया है। एग्रो टेक्नोलोजिकल पार्क निर्माण के उपरांत संचालन हेतु (जैसे की पूर्व में निर्धारित था) स्थानीय किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) को सौंप दिया गया है।विभाग की ओर से बताया गया कि परियोजना सफलता पूर्वक पूर्ण है।विभाग की ओर से जबाव में कहा गया कि पांच जुलाई 2025 को इसे ह्यसुरसी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड को विधिवत हस्तांतरित कर दिया गया है।इस कंपनी का गठन आस पास के गांव (छोटासेगोई, भुरकुंडा, बड़ा सेगोई, सुरसी, मरांगहातु) आदि के 500 किसानों प्रशिक्षित करने के उपरांत किया गया है।

पीवीयूएनएल की पहल से रामगढ़ की आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं होंगी सशक्त, अत्याधुनिक एएलएस एम्बुलेंस सौंपी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : जिले में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी व सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) ने अपने सामुदायिक विकास (सीडी) कार्यक्रम के तहत रामगढ़ स्वास्थ्य विभाग को अत्याधुनिक एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस प्रदान की है। इस नई सुविधा से गंभीर रूप से बीमार और दुर्घटना के शिकार मरीजों को त्वरित एवं उन्नत चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में बड़ी मदद मिलेगी।यह एएलएस एम्बुलेंस अत्याधुनिक जीवनरक्षक उपकरणों से सुसज्जित है, जिसमें वेंटिलेटर, कार्डियक मॉनिटर, डिफिब्रिलेटर, ऑक्सीजन सपोर्ट सिस्टम सहित अन्य आवश्यक चिकित्सा संसाधन उपलब्ध हैं। इससे रास्ते में ही मरीजों को बेहतर प्राथमिक उपचार दिया जा सकेगा, जो कई मामलों में जीवन बचाने में निर्णायक साबित होगा। एम्बुलेंस का औपचारिक हस्तांतरण पीवीयूएनएल के जियाउर रहमान होहर द्वारा किया गया।इस अवसर पर पीवीयूएनएल के

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. तनमोय मिश्रा भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सक एवं अन्य कर्मचारी मौजूद थे.इस मौके पर सिविल सर्जन, रामगढ़ ने कहा कि जिले में इस तरह की उन्नत एम्बुलेंस की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जा रही थी।पीवीयूएनएल द्वारा उपलब्ध कराई गई यह एएलएस एम्बुलेंस न केवल आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता को बढ़ाएगी, बल्कि गंभीर मरीजों को समय पर जीवनरक्षक उपचार उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना, हृदयाघात, प्रसव संबंधी जटिलताओं जैसे मामलों में यह सुविधा बेहद कारगर साबित होगी।उन्होंने पीवीयूएनएल के इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकारी स्वास्थ्य तंत्र को निजी और सार्वजनिक उपक्रमों के सहयोग से और अधिक सशक्त बनाया जा सकता है, जिससे आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।पीवीयूएनएल के अधिकारियों ने बताया कि कंपनी अपने सामाजिक दायित्व के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है।स्थानीय समुदाय के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से इस तरह की पहल आगे भी जारी रहेगी।स्थानीय लोगों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि एएलएस एम्बुलेंस की उपलब्धता से अब गंभीर मरीजों को समय पर बेहतर इलाज के लिए बड़े अस्पतालों तक पहुंचाना आसान होगा। इससे विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को काफी राहत मिलेगी।

जोन्हा में भक्तिमय हुआ माहौल: 1111 महिलाओं ने निकाली भव्य कलश यात्रा, नौ दिवसीय राम कथा का शुभारंभ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : चैत्र नवरात्र और हिंदू नववर्ष (विक्रम संवत 2083) के पावन अवसर पर अनगड़ा प्रखंड के जोन्हा क्षेत्र का माहौल पूरी तरह से भक्तिमय हो गया है।जोन्हा में चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नौ दिवसीय नवाह्न परायण पाठ और संगीतमय राम कथा का भव्य आयोजन शुरू हुआ है।इस महाधार्मिक अनुष्ठान का शुभारंभ एक विशाल कलश यात्रा के साथ किया गया, जिसमें 1111 श्रद्धालुओं ने माथे पर कलश धारण कर पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया।कलश यात्रा का विधिवत उद्घाटन रांची के पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने किया।मौके पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष जैलेंद्र कुमार, बुधराम बेदिया, जयराम महली, मानकी जगन्नाथ शाही विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।गाजे-बाजे और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मंदिर परिसर से यह कलश यात्रा शुरू होकर स्थानीय नदी के तट पर पहुंची।वहां आचार्यों द्वारा विधिवत गंगा पूजन और वरुण देव की आराधना के पश्चात सभी 1111 कलशों में पवित्र जल भरा गया। कलश यात्रा लगभग 5 किलोमीटर तक पूरे गांव का भ्रमण करते हुए वापस मंदिर परिसर पहुंची।इस दौरान पूरा क्षेत्र जय श्रीराम और माता रानी के जयघोष से गूंजायमान रहा।यात्रा के वापस लौटने पर पूरे विधि-विधान के साथ कलशों को यज्ञ मंडप में स्थापित (प्रवेश) कराया गया।कलश यात्रा को लेकर ग्रामीण महिलाओं और युवतियों में खासा उत्साह देखा गया, जो पारंपरिक परिधानों में सज-धज कर इस अनुष्ठान का हिस्सा बनीं।इस पावन अवसर पर पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की।उन्होंने क्षेत्रवासियों को हिंदू नववर्ष व नवरात्र की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में शांति, सद्भाव और धर्म का संचार होता है।इस कार्यक्रम को सफल बनाने और कलश यात्रा में मुख्य रूप से आयोजन समिति के अध्यक्ष बलराम साहू, प्रदीप साहू, वसंत सुंडी, सीताराम साहू, श्रीराम साहू, विकास साहू, विनोद मिश्रा, उदय साहू, शंभू साहू, युवराज साहू, परमेश्वर साहू, महिपाल पातर, कन्हाई साहू संदीप साहू, अजय मंडल, अमर मंडल, विनय साहू, प्रकाश साहू मौजूद रहे.

वहीं मातृ शक्ति के रूप में शकुंतला देवी, प्रतिमा देवी, चित्रलेखा साहू, सुलोचना देवी, सुधा देवी, रीना देवी, पायल साहू और जयमाला देवी शामिल रहीं।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580

संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

अरुण कुमार बने निगम के डिप्टी मेयर, विजय कुमार चिरकुंडा नप के उपाध्यक्ष

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। अरुण कुमार चौहान नगर निगम के डिप्टी मेयर तथा विजय कुमार यादव चिरकुंडा नगर परिषद के उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। बुधवार को समाहरण में दोनों पदों के लिए चुनाव हुआ। दोनों को जीत का प्रमाण पत्र सौंपा गया है। डिप्टी मेयर के लिए नवनिर्वाचित 55 वार्ड पार्षदों ने मतदान किया। चिरकुंडा नगर परिषद उपाध्यक्ष के लिए नवनिर्वाचित 21 वार्ड सदस्यों ने वोटिंग की। वोटिंग के बाद मतो की गिनती हुई और निवार्ची पदाधिकारियों ने परिणाम की घोषणा की। दोनों को बारी - बारी से पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इसके पहले मेयर, वार्ड पार्षद तथा चिरकुंडा नगर परिषद के वार्ड सदस्यों को शपथ दिलाई गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी आदित्य रंजन ने नगरपालिका मेयर संजीव सिंह एवं सभी 55 वार्ड पार्षदों को समाहरणालय के प्रथम तल पर स्थित सभागार में शपथ दिलाई। सर्वप्रथम डीसी ने धनबाद नगर निगम के नवनिर्वाचित मेयर संजीव सिंह को शपथ दिलाई। इसके बाद धनबाद नगर निगम के सभी 55 वार्ड पार्षदों को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के बाद धनबाद नगर निगम के उप महापौर के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया गया। दोपहर 12:30 बजे से 1:00 बजे तक नामांकन पत्रों की स्क्रुटनी की गई। विधि मान्य अभ्यर्थियों की सूची तैयार की गई। जबकि दोपहर 1:30 बजे से 1:45 बजे तक नाम वापस लेने का समय निर्धारित किया गया। 1:45 बजे से 2:15 बजे तक मत पत्र की तैयारी की गई। इसके बाद दोपहर 2:15 बजे से 3:00 बजे तक धनबाद नगर निगम के उप महापौर के लिए मतदान किया गया। मतगणना के बाद निर्वाचन परिणाम की घोषणा की गई। जिसमें अरुण कुमार चौहान विजय घोषित किए गए। नगर निगम चुनाव में महापौर के निवार्ची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता विनोद कुमार ने नवनिर्वाचित उप महापौर को प्रमाण पत्र सौंपा। अरुण कुमार चौहान को 50 वोट प्राप्त हुए। जबकि दूसरे स्थान पर मेनका सिंह को 5 वोट प्राप्त हुए। इसके बाद धनबाद नगर निगम के मेयर संजीव सिंह ने उप महापौर को शपथ दिलाई। इस मौके पर मुकेश कुमार बाउरी, बाल किशोर महतो, विशाल कुमार पांडेय, संजय झा, राम विलास राम, रूपेश मिश्रा, सुशील सिन्हा, आनंद पटेल, प्रशांत झा, विजय कुमार, मनीष कुमार, संतोष कुमार, अंशु देव, उमेश प्रमाणिक, नाविक कुमार के साथ सभी 55 वार्ड पार्षद उपस्थित थे। चिरकुंडा नगर परिषद के लिए उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुनीता देवी एवं सभी 21 वार्ड पार्षदों को शपथ दिलाई। उन्होंने नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुनीता देवी को शपथ दिलाई। इसके बाद चिरकुंडा नगर परिषद के सभी 21 वार्ड पार्षदों को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के बाद चिरकुंडा नगर परिषद के उपाध्यक्ष के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया गया। दोपहर 12:30 बजे से 1:00 बजे तक नाम नामांकन की स्क्रुटनी की गई। विधि मान्य अभ्यर्थियों की सूची तैयार की गई। दोपहर 1:30 बजे से 1:45 बजे तक नाम वापस लेने का समय निर्धारित किया गया। 1:45 बजे से 2:15 बजे तक मत पत्र की तैयारी की गई। इसके बाद दोपहर 2:15 बजे से 3:00 बजे तक चिरकुंडा नगर परिषद के उपाध्यक्ष के लिए मतदान किया गया। मतगणना के बाद निर्वाचन परिणाम की घोषणा की गई। विजय कुमार यादव विजयी घोषित किए गए। चिरकुंडा नगर परिषद के निवार्ची पदाधिकारी सह एडीएम सप्लाई मोहम्मद जियाऊल अंसारी ने नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष को प्रमाण पत्र सौंपा। विजय कुमार यादव को 12 वोट प्राप्त हुए। जबकि दूसरे स्थान पर मोहम्मद जियाउद्दीन को 9 वोट प्राप्त हुए। इसके बाद चिरकुंडा नगर परिषद के अध्यक्ष ने उपाध्यक्ष को शपथ दिलाई। इस मौके पर निवार्ची पदाधिकारी सह एडीएम सप्लाई मोहम्मद जियाऊल अंसारी, सहायक निवार्ची पदाधिकारी सह बीडीओ कलियासोल जय प्रकाश नारायण, अंचल अधिकारी अशोक कुमार सिन्हा, संदीप कुमार महतो, अजय कुमार महतो, राजेंद्र राय व सभी 21 वार्ड के पार्षद उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

रोटी बैंक यूथ क्लब की ओर से आपातकालीन रक्तदान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः मानवता की उत्कृष्ट मिसाल पेश करते हुए रोटी बैंक यूथ क्लब, धनबाद ने बुधवार को आपातकालीन स्थिति में थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों एवं गंभीर रूप से बीमार मरीजों की सहायता हेतु रक्तदान कर सराहनीय कार्य किया। कुछ जरूरतमंद मरीजों को तुरंत रक्त की आवश्यकता थी। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए संस्था के सदस्यों एवं सहयोगियों ने बिना समय गंवाए आगे बढ़कर रक्तदान किया और समय पर सहायता उपलब्ध कराई। इस पुनीत कार्य में जिन रक्तदाताओं ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया, वे हैंः राधिका पंडित, राहुल पंडित, अमन राज, प्रवीण गिरी, ऋषव एवं विष्णु महेश। इनके द्वारा किए गए रक्तदान से जिन मरीजों को जीवनदायिनी सहायता प्राप्त हुई। शेफाली कुमारी, बिरेंद्र हांसदा, अयान कुमार, राधा कुमारी एवं मुनिया देवी (एक रिक्शा चालक की पत्नी), जिनका हीमोग्लोबिन स्तर अत्यंत गंभीर स्थिति में मात्र 2 था।संस्था के अध्यक्ष रवि शेखर एवं नीलकमल खवास ने बताया कि यह कोई पूर्व नियोजित शिविर नहीं था, बल्कि एक अत्यंत आपातकालीन परिस्थिति थी। जिसमें त्वरित निर्णय लेकर सहायता करना आवश्यक था। सभी रक्तदाताओं ने निस्वार्थ भाव से आगे आकर सच्ची मानवता का परिचय दिया k

रामनवमी एवं ईद को लेकर जोरापोखर थाना में शांति समिति की बैठक संपन्न

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः जोड़ापोखर थाना के सभागार में बुधवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता झारिया अंचलाधिकारी मनोज कुमार ने की। बैठक में क्षेत्र के सभी अखाड़ों के संचालक, सभी मस्जिदों के सदर, समाजसेवी एवं पत्रकार गण उपस्थित थे। सभी ने ईद एवं रामनवमी पर्व को हर्षोल्लास तथा भाई चारगी से मनाने का निर्णय लिया। मनोज कुमार ने रामनवमी के अखाड़ा संचालकों से अपील किया कि पर्व के अवसर पर खासकर जुलूस में असमाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखें और वैसे लोगों को चिन्हित कर तुरंत सूचना प्रशासन को दें। जुलूस अपने तय रूट पर ही ले जाएं। डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। वहीं जोरापोखर थाना प्रभारी उदय कुमार गुप्ता ने शांति समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस जामाडोबा, डिगवाडीह, फुसबंग्ला, भागा आदि मुख्य स्थानों में कड़ी नजर रखेगी और किसी भी असमाजिक तत्वों को छोड़ा नही जायेगा। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वाले पर भी प्रशासन की नजर रहेगी। उन्होंने लोगों से अपील की है कि कोई भी अगर किसी तरह की गड़बड़ी करने की कोशिश करें तो उसकी सूचना उन्हें तुरंत दें। बैठक में सुभाशीष रॉय, किशोर कुमार, अशोक झा, पप्पू विश्वकर्मा, उज्ज्वल कुमार, कुणाल वर्मा, गौतम कुमार रंजन, शंकर झा, दिनेश यादव, समीम शाह, आदि शामिल थे।

कोयला भवन मुख्यालय में बीएससी की ओर से इन्वेस्टर अवेयरनेस प्रोग्राम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः कोयला भवन मुख्यालय में आज रीजनल इन्वेस्टर सेमिनार फॉर अवेयरनेस कार्यक्रम हुआ। इसमें बीएससी ने इन्वेस्टर अवेयरनेस प्रोग्राम (आईएपी) का आयोजन किया। जिसका मुख्य उद्देश्य शेयर बाजार में निवेश हेतु इच्छुक निवेशकों को जागरूक एवं सशक्त बनाना था। बीएसई लिमिटेड के इन्वेस्टर प्रोटेक्शन फंड (आईपीएफ) द्वारा भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के सहयोग से ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। जिनके माध्यम से निवेशकों को सुरक्षित, सतर्क एवं सूचित निवेश के प्रति मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। इसी क्रम में उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल भी मौजूद थे। इस अवसर पर निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया, निदेशक (तकनीकी) संजय कुमार सिंह, कंपनी सेक्रेटरी देबुनुज देबनाथ सहित कोयला भवन मुख्यालय के महाप्रबंधकगण, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। साथ ही, सभी क्षेत्रों के क्षेत्रीय महाप्रबंधक एवं अधिकारी वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को निवेश से संबंधित आवश्यक सावधानियों एवं अपनाए जाने योग्य उपायों की जानकारी दी गई तथा बाजार में प्रचलित विभिन्न प्रकार की धोखाधड़ी, जैसे फर्जी निवेश योजनाएं, अनधिकृत सलाहकार एवं भ्रामक निवेश सुझाव के प्रति सचेत किया गया। इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों को शिकायत निवारण प्रणाली की जानकारी दी गई। उन्हें यह भी बताया गया कि आधिकारिक मंचों के माध्यम से शिकायत किस प्रकार दर्ज की जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि उनकी शिकायतों का प्रभावी समाधान हो। अपने संबोधन में सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि निवेश के क्षेत्र में जागरूकता, अनुशासन एवं सतर्कता बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि निवेशकों को किसी भी निर्णय से पूर्व समुचित जानकारी प्राप्त करनी चाहिए तथा केवल अधिकृत एवं विश्वसनीय स्त्रोतों पर ही भरोसा करना चाहिए। उन्होंने प्रलोभनों से दूर रहने की सलाह देते हुए कहा कि दीर्घकालिक दृष्टिकोण एवं धैर्यपूर्ण निवेश ही स्थायी आर्थिक सुदृढ़ता का आधार है। वर्तमान समय में वित्तीय साक्षरता प्रत्येक नागरिक के लिए महत्वपूर्ण हो गई है तथा ऐसे कार्यक्रम निवेशकों को सही दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। उन्होंने सभी से अपील की कि वे स्वयं जागरूक बनें और समाज में भी सुरक्षित निवेश के प्रति जागरूकता फैलाएं। कार्यक्रम का संचालन कॉमन इन्वेस्टर सर्विस सेंटर बीएसई रांची के प्रबंधक करण ने किया। जिन्होंने प्रतिभागियों को विषय से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने पॉवरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से बचत एवं निवेश, शेयर बाजार में निवेश का चक्रवृद्धि प्रभाव, इक्विटी में निवेश करते समय ध्यान देने योग्य मूलभूत पहलू, विभिन्न शुल्क एवं कर, व्यापार एवं निपटान चक्र सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी साझा की। प्रतिभागियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया और कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम न केवल निवेशकों को सशक्त बनाते हैं, बल्कि उन्हें वित्तीय निर्णयों में आत्मविश्वास भी प्रदान करते हैं। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

एट लेन सड़क के धंसने का मामला विधानसभा में उठा

धनबाद : झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने बुधवार को विधानसभा में धनबाद की एट लेन सड़क के धंसने का मामला उठाया। उन्होंने बताया कि धनबाद में राज्य की पहली 8 लेन सड़क में मंगलवार को झारखंड मोड़ से 99 कोयलांचल सिटी के बीच सर्विस लेन में बड़ा गोफ बन गया है। विधायक श ने सदन में बताया कि अक्टूबर 2024 में गोल बिल्डिंग से लेकर काको मठ के बीच 20 किलोमीटर लंबी 8 लेन सड़क का उद्घाटन 5 अक्टूबर 2024 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया था। इतनी जल्दी लगातार लगभग तीन- चार महीने के अंतराल पर आधा दर्जन स्थानों पर यह सड़क धंस चुकी है। वर्ल्ड बैंक के लोन से बनी इस सड़क में उद्घाटन के 24 घंटे के बाद से ही धंसान शुरू हो गया था, जो अब तक जारी है इस रोड की गुणवत्ता एवं निर्माण की अविलंब जांच कराई जाने की मांग की। विधायक की मांग पर संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने जल्द से जल्द जांच कराए जाने की बात कही। विधायक ने शून्य काल के दौरान ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित मनरेगा योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु राज्य अंतर्गत सभी जिलों में लोकपाल की नियुक्ति एवं उन्हें हटाने के संबंध में अहम सवाल किया उन्होंने पूछा की नियुक्ति के बाद विभागीय आदेश से उन्हें हटा दिया गया एवं नई नियुक्तियां नहीं होने के कारण विभाग और संवेदक की मिली भगत से मनरेगा संबंधित कार्य में अनियमितताएं और मशीनों द्वारा कार्य किया जा रहा है। जो उच्च स्तरीय जांच का विषय है। विधायक ने मांग की कि जब तक नई नियुक्तियां नहीं हो तब तक पूर्व के लोकपालों से कार्य लिया जाए। कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग से संबंधित अहम सवाल किया उन्होंने कहा कि विभाग के द्वारा वर्ष 2024 25 में फसल सुरक्षा कार्यक्रम योजना का क्रियान्वयन किया गया था जिसके अंतर्गत किसानों के मध्य पौधा संरक्षण केंद्रों को स्थापित कर कीटनाशक ,फफूंदी नाशक एवं खरपतवार नाशक दवाओं का वितरण किया जाना था।

कल्याण भवन में रिजर्वेशन इन सर्विसेज विषय पर दो-दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः कल्याण भवन (एचआरडी) सरायढेला में बुधवार को मानव संसाधन अधिकारियों के लिए रिजर्वेशन इन सर्विसेज विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें राज्यों के अंतर्गत एससी/ एसटी/ ओबीसी/ ईडब्ल्यूएस/ पीडब्ल्यूडी हेतु सेवाओं में आरक्षण (रेजर्वेशन इन सर्विसेज फॉर एससी/एसटी/ ओबीसी/ईडब्ल्यूएस/ पीडब्ल्यूडी अंडर द स्टेट्स) विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया ने की। कार्यक्रम में विशेष वक्ता एवं प्रशिक्षक के रूप में कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय (उ्ङ्मढळ) के पूर्व निदेशक संदीप मुखर्जी ने अपने अनुभव साझा किए तथा प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में महाप्रबंधक (एचआरडी) अनूप कुमार रॉय की उपस्थिति रही। प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री कुमार मनोज, विभागाध्यक्ष (सीएसआर/आईआर) श्री सुरेन्द्र भूषण, विभागाध्यक्ष (अधिकारी स्थापना) शोभा जे. कुजूर, विभागाध्यक्ष (वीआईपी सेल) निर्मला किरण सहित कोयला भवन मुख्यालय तथा विभिन्न क्षेत्रों के मानव संसाधन विभाग के अधिकारियों एवं नव-नियुक्त मैनेजमेंट ट्रेनी ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को वर्गों के लिए सेवाओं में आरक्षण, पदोन्नति, चयन एवं नियुक्ति से संबंधित प्रासंगिक विधायी प्रावधानों, नीतिगत दिशानिर्देशों एवं प्रशासनिक प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के औपचारिक स्वागत, सामूहिक दीप-प्रज्ज्वलन तथा कोल इंडिया के कॉर्पोरेट गीत के साथ की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में मुरली कृष्ण रमैया ने कहा कि समावेशी विकास और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने में आरक्षण नीति की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि मानव संसाधन अधिकारियों की जिम्मेदारी केवल नियमों के अनुपालन तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें संवेदनशीलता, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ इन प्रावधानों को लागू करना चाहिए। उन्होंने प्रतिभागियों से अपेक्षा व्यक्त की कि वे इस प्रशिक्षण से प्राप्त अनुभवों एवं जानकारी को अपने कार्यक्षेत्र में प्रभावी रूप से लागू करेंगे और संगठन में समान अवसर की संस्कृति को और बेहतर बनाएंगे। प्रशिक्षण सत्रों के दौरान संदीप मुखर्जी ने विषय से संबंधित महत्वपूर्ण एवं व्यावहारिक जानकारियाँ साझा कीं। उन्होंने संविधान में निहित आरक्षण संबंधी प्रावधानों, विभिन्न श्रेणियों के लिए निर्धारित प्रतिशत, रोस्टर प्रणाली, पदोन्नति में आरक्षण, क्रीमी लेयर की अवधारणा, न्यायालयीन निर्णयों के प्रभाव तथा प्रशासनिक प्रक्रियाओं में इनके अनुपालन से जुड़े प्रमुख बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आरक्षण व्यवस्था का प्रभावी क्रियान्वयन तभी संभव है जब संबंधित अधिकारी इसके कानूनी, प्रशासनिक और प्रक्रियात्मक पहलुओं की स्पष्ट समझ रखते हों। यह आवश्यक है कि प्रत्येक नियुक्ति, पदोन्नति एवं चयन प्रक्रिया में निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन किया जाए। रोस्टर प्रबंधन, डेटा संधारण तथा दस्तावेजीकरण में किसी भी प्रकार की त्रुटि न केवल प्रशासनिक जटिलताएँ उत्पन्न करती है, बल्कि कानूनी चुनौतियों को भी जन्म दे सकती है। इसलिए अधिकारियों को चाहिए कि वे अद्यतन नियमों, परिपत्रों एवं न्यायिक व्याख्याओं से निरंतर अवगत रहें और उन्हें व्यवहारिक रूप में लागू करें। उन्होंने प्रतिभागियों के साथ विभिन्न केस स्टडी, उदाहरण एवं परिदृश्य-आधारित चचाओं के माध्यम से विषय की जटिलताओं को सरल एवं स्पष्ट रूप में प्रस्तुत किया। दो-दिवसीय यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 19 मार्च को समापन सत्र के साथ संपन्न होगा, जिसमें प्रतिभागियों द्वारा अर्जित ज्ञान एवं अनुभवों की समीक्षा के साथसाथ। संगठन में प्रभावी अनुपालन हेतु आगे की कार्ययोजना पर भी चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम का संचालन उप- प्रबंधक (मानव संसाधन) चारुलता ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में एचआरडी के प्रबंधक (मानव संसाधन) श्री सुमित कुमार, प्रबंधक (खनन) श्री दीपक कुमार तथा अन्य कर्मियों का विशेष योगदान रहा।

19-03-2026 T.P. Page 4_Layout 1 19-03-2026 00:01 Page 1

डीसी-एसपी की संयुक्त अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक,आमजनों से सौहार्दपूर्ण माहौल में त्योहार मनाने की अपील

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : रामनवमी,ईद-उल-फितर एवं सरहुल पर्व के मद्देनजर उपायुक्त समीरा एस एवं पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन की संयुक्त अध्यक्षता में बुधवार को जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक स्थानीय पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति नगर भवन में आयोजित की गयी।बैठक में विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि,समाजसेवी एवं प्रशासनिक पदाधिकारी उपस्थित रहे।उपायुक्त ने कहा कि यहां हमलोग शांति समिति की बैठक के लिये जुटें हैं,ऐसे में सभी से यह आग्रह है कि आगामी सभी तरह के उत्सवी माहौल लेकिन शांति के साथ संपन्न करने में सहयोग करें।त्योहार खुशियां बांटने और आपसी भाईचारा बढ़ाने का अवसर होता है।सभी लोग संयमित एवं अनुशासित तरीके से शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाएं।उन्होंने बताया कि प्रशासन पूरी तरह सतर्क है तथा सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई

हैं।जुलूस मार्गों पर सीसीटीवी व ड्रोन से निगरानी की जाएगी,वहीं चिन्हित स्थलों पर पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी एवं पुलिस बलों की तैनाती रहेगी।अफवाह फैलाने वाले असामाजिक एवं अराजक तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।उपायुक्त ने कहा कि इन दिनों सोशल एवं डिजिटल मीडिया पर एडिटेड वीडिओज और ए.आई जेनरेटेड वीडिओज का चलन है,ऐसे में बिना वेरिफिकेशन के वीडिओज शेयर करने से बचें।उन्होंने किसी भी भ्रामक सूचना पर ध्यान न देने और सत्यापन के बाद ही उसे साझा करने की अपील की।उन्होंने जुलूस मार्गों पर किसी भी प्रकार का निर्माण सामग्री नहीं रखने का निर्देश दिया।इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी निगरानी बढ़ाने हेतु पंचायत प्रतिनिधियों एवं कर्मियों को सक्रिय रहने का निर्देश दिया गया है।पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिले में 400 से अधिक रामनवमी अखाड़ा द्वारा जुलूस निकाले जाने,ईद को लेकर 250 से अधिक स्थानों पर नमाज पढ़ने की सूचना के मद्देनजर विधि व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है तथा अतिरिक्त पुलिस बल,चौकीदारों एवं होमगार्ड जवानों की तैनाती की गयी है।एसपी ने कहा कि विभिन्न थाना प्रभारियों द्वारा बीएनएस की धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है।उन्होंने जुलूस निर्धारित मार्गों पर ही निकालने,भड़काऊ गाने नहीं बजाने,डीजे का उपयोग नहीं करने तथा साउंड को नियंत्रित रखने की अपील की।उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में सभी संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च किया जाएगा और प्रमुख मार्गों पर सीसीटीवी के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी।बैठक में जुलूस मार्गों की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था,बिजली आपूर्ति, पेयजल,स्वास्थ्य सेवाएं, साफ-सफाई,फायर ब्रिगेड एवं एंबुलेंस की व्यवस्था सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गयी।नगर निगम द्वारा पेयजल,चलंत शौचालय,सफाई, स्ट्रीट लाइट एवं जेनरेटर की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।प्रशासन ने सभी शांति समिति सदस्यों एवं आमजनों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि जिले में शांति, सौहार्द और भाईचारा कायम रखा जा सके।बैठक में उपायुक्त समीरा एस, पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन,प्रभारी नगर आयुक्त सह उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन,अपर समाहर्ता कुंदन कुमार सहित जिला स्तरीय अन्य पदाधिकारी,अनुमंडल पदाधिकारी,अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी,विभिन्न थाना प्रभारी, अंचल अधिकारी,प्रखंड विकास पदाधिकारी,मेदिनीनगर जिला स्तरीय शांति समिति के सदस्य, विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधि, गणमान्य व्यक्तियों,रामनवमी तथा मुहर्रम इंतजामिया कमेटी,मुहर्रम अखाड़ा समिति एवं सरहुल समिति के अध्यक्ष,सचिव एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

भीम ऐप के ब्रांड एंबेसडर बने एमएस धोनी, डिजिटल पेमेंट्स में भरोसे और विस्तार पर जोर

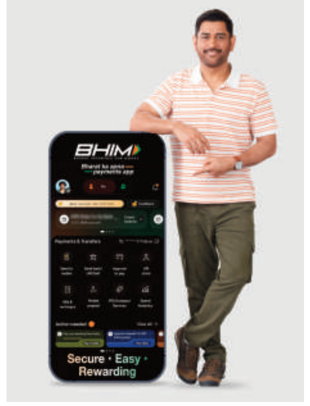

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड (एनबीएसएल) ने पूर्व भारतीय कप्तान और विश्व कप विजेता महेंद्र सिंह धोनी को भीम पेमेंट्स ऐप का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है, जिसे कंपनी ने अपने अगले विकास चरण में स्केल, समावेशन और यूजर भरोसे को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम बताया है। कंपनी के अनुसार यह साझेदारी भरोसे, निरंतरता और विश्वसनीयता जैसे मूल्यों को दशार्ती है, जहां भीम एनपीसीआई के मजबूत डिजिटल पेमेंट्स इंफ्रास्ट्रक्चर पर आधारित सुरक्षित प्लेटफॉर्म के रूप में देशभर में अपनी पहचान बना चुका है, वहीं धोनी अपने शांत स्वभाव और दबाव में भरोसेमंद प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं। एनबीएसएल की प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ललिता नटराज ने कहा कि डिजिटल पेमेंट्स के तेजी से विस्तार के बीच अब फोकस यूजर की पसंद और भरोसे को और मजबूत करने पर है और धोनी को जोड़ने का उद्देश्य भीम को हर भारतीय परिवार के लिए पसंदीदा ऐप बनाना है। वहीं धोनी ने कहा कि भीम की सरलता और देशभर में इसकी सुलभता उन्हें इससे जुड़ने के लिए प्रेरित करती है और डिजिटल लेन-देन में यूजर्स का आत्मविश्वास बढ़ाना जरूरी है। कंपनी के अनुसार भारत का अपना पेमेंट्स ऐप के रूप में पुनर्स्थापन के बाद भीम ने टियर-1, टियर-2 और टियर-3 शहरों में अपनी पहुंच बढ़ाई है, ऐप 15 से अधिक क्षेत्रीय भाषाओं को सपोर्ट करता है और कम इंटरनेट कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों के लिए अनुकूलित है, जिससे ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में डिजिटल पेमेंट्स को बढ़ावा मिल रहा है, जबकि रिवॉर्ड आधारित पहल और मर्चेंट साझेदारियों के जरिए यूजर जुड़ाव को भी मजबूत किया जा रहा है।

पहले दिन ऑफीस पहुंचे नगर पंचायत अध्यक्ष व उपाध्यक्ष,गायब कमीर्यों को शो कॉज करने का निर्देश,मचा हड़कंप

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : नगर पंचायत अध्यक्ष का शपथ लेने के पहले दिन मनोज चौधरी व उपाध्यक्ष अविनाश कवि नगर पंचायत कार्यालय पहुंचे।उन्होंने सुबह दस बजे कार्यालय पहुंच गये तो देखा की कई कर्मी ऑफीस नही पहुंचे हैं। इस पर अध्यक्ष ने कार्यपालक पदाधिकारी समीर कुमार बोदरा को गायब कमीर्यों की सुची बनाते हुए शोक कॉज करने व एक दिन का वेतन काटने का निर्देश दिया।अध्यक्ष मनोज चौधरी शपथ ग्रहण के साथ ही एक्शन मोड में नजर आये। उनके एक्शन से नगर पंचायत कमीर्यों में हड़कंप है। वहीं उन्होंने सभी कार्यालयों को ससमय ऑफीस पहुंचने व जो कर्मी फील्ड के हैं उन्हें फील्ड में जा कर काम करने की हिदायत दिया। श्री चौधरी ने कहा कि सरायकेला के विकास के लिए जनता ने मुझे चुनी है। इस लिए जनता का काम होना चाहिए। जनता को किसी प्रकार परेशानी नही होनी चाहिए।अध्यक्ष ने कहा कि सभी कर्मियों को स्पष्ट संदेश है कि काम करना है, अच्छा से करना है, व्यवहार को ठीक रखना है क्योंकि यह सेवा का मंदिर है और लोग बहुत उम्मीद से आते हैं यहां पर। किसी प्रकार के किसी को असुविधा न हो, उसको सबसे प्राथमिकता देनी है।मिलजुल कर काम करना है,किसी प्रकार की कर्तव्यहीनता स्वीकार नहीं होगी।उपाध्यक्ष ने सभी को आदतों में बदलाव लाने की बात कहते हुए जनहित में काम करने का निर्देश दिया।

हजारीबाग में डीजीपी ने रामनवमी रूट का किया वेरिफिकेशन, पहली बार कोई डीजीपी रामनवमी रूट का किया वेरिफिकेशन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : रामनवमी में सुरक्षा को लेकर कोई चूक ना हो इसे लेकर फूल प्रूफ योजना तैयार की जा रही है।झारखंड की डीजीपी तदाशा मिश्रा ने रामनवमी जुलूस मार्ग का रूट वेरिफिकेशन किया है।पहली बार हुआ है कि कोई डीजीपी हजारीबाग पहुंचकर रामनवमी रूट का वेरिफिकेशन किया हो। रूट वेरिफिकेशन के दौरान जिले भर के सभी पुलिस पदाधिकारी सड़क पर रहे। झंडा चौक पर डीजीपी सड़क पर उतरकर रूट की जानकारी प्राप्त की। बड़ा अखाड़ा में इन्होंने पुलिस पदाधिकारीयों से जानकारी प्राप्त किया है।रूट वेरीफिकेशन के दौरान बोकारो रेंज की आईजी सुनील भास्कर डीआईजी अंजनी झा, जिले के एसपी अंजनी अंजन, उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह भी उपस्थित रहे।सड़क पर ही डीजीपी ने कई अहम निर्देश पुलिस पदाधिकारीयों को दिया है और स्पष्ट किया की सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। तदाशा मिश्रा ने बताया कि पुलिस ने सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किया है।आम जनता पर्व उत्सव उमंग के साथ मनाएं।कानून तोड़ने की इजाजत नहीं है।इन्होंने कहा कि जिस रास्ते से जुलूस गुजरेगी उसका निरीक्षण किया गया है और कई अहम निर्देश भी दिए गए हैं। रूट वेरिफिकेशन के पहले डीजीपी तदास मिश्रा ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में उच्च स्तरीय बैठक जिले के तमाम पुलिस पदाधिकारीयों के साथ किया है।इस दौरान डीजीपी ने सुरक्षा को लेकर क्या इंतजाम किया जा रहा है इसकी जानकारी हजारीबाग एसपी से लिया है।साथ ही कई अहम निर्देश निर्गत किए गए हैं।

डीसी एसपी ने की रामनवमी ईद को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पाकुड़ : जिले में रामनवमी, ईद, गुड फ्राइडे,ईस्टर और सरहुल त्यौहार शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने जिला स्तरीय शांति समिति की संयुक्त बैठक की।बाजार समिति प्रांगण में आयोजित जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक में जिले भर के वीडियो अंचलाधिकारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सभी थानों के थानेदार सहित ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के प्रमुख लोगों ने हिस्सा लिया।बैठक में उपायुक्त ने प्रशासनिक इंतजामों एवं पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा इंतजामों को जानकारी देते हुए सौहार्दपूर्ण माहौल में त्योहार मनाने की अपील किया।बैठक में लोगो से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने,त्यौहार के मौके पर संयम बरतने,एक दूसरे की भावनाओं का सम्मान करने की अपील की गई।मौजूद पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ तैयारी सुनिश्चित करने तथा आवश्यक स्थानों पर बैरिकेटिंग एवं सुरक्षा व्यवस्था करने को कहा गया। बैठक में मौजूद लोगों से भी शांतिपूर्ण त्यौहार सम्पन्न कराने को लेकर भी उनके सुझाव लिए गए।

जामताड़ा पुलिस को मिली बड़ी सफलता 6 साइबर अपराधी गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

जामताड़ा : साइबर अपराधियों को पकड़ने के लिए जामताड़ा पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। जिसमें पुलिस को सफलता भी मिल रही है। इसी कड़ी में जामताड़ा साइबर पुलिस को उस वक्त बड़ी सफलता हाथ लगी जब कमार्टांड़ थाना क्षेत्र के पदमडीह गांव में छापेमारी कर पुलिस ने 6 साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया।अपने कार्यालय में जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक राजकुमार मेहता ने बुधवार को बताया कि छापेमारी के दौरान पकड़े गए अपराधियों के पास से 13 मोबाइल फोन 18 सिम कार्ड एक लैपटॉप तथा चार मोटरसाइकिल बरामद किया गया है।पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पकड़े गए साइबर अपराधी के पास से जो लैपटॉप बरामद हुआ है उसमें करोड़ों रुपए के ट्रांजैक्शन का जिक्र है इसलिए पकड़े गए अपराधियों को पुनः रिमांड में लेकर पूछताछ की जाएगी क्योंकि इन लोगों ने करोड़ों का ठगी किया है।

स्कूली छात्रा के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को उम्रकैद की सजा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गुमला : भरनो प्रखंड में नाबालिग छात्रा से हुए दुष्कर्म के मामले में बुधवार को संजीव भाटिया जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश-4 सह विशेष न्यायाधीश (पोक्सो) गुमला की अदालत ने आरोपी को सजा सुनाया। आरोपी रांची जिला के बेड़ो थाना स्थित खिरदा गांव के गोयंदा उरांव उम्र 26 वर्ष को दोषी पाया गया।आइपीसी की धारा 376 (डीए) के तहत आजीवन करवास और 20 हजार रुपये जुमार्ना लगाया गया। जुमार्ना नहीं देने पर तीन माह अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी। मामला 19 फरवरी 2021 की है। घटना गुमला जिला के भरनो थाना के जुरा करंजटोली गांव में घटी थी।

यहां 16 वर्षीय नाबालिक लड़की के साथ दुष्कर्म हुआ था। दर्ज केस के अनुसार लड़की 10 वीं कक्षा की छात्रा है जो 18 फरवरी 2021 की शाम में ट्यूशन पढ़ने के बाद डाड़हा मोड़ से पैदल अपने घर जा रही थी। नहर के बाद पतरा के पास समय करीब 6.00 बजे शाम को गांव का अभिजीत उरांव तथा गोयंदा उरांव दोनों पीछे से आकर जोर जबरदस्ती पकड़कर झाड़ी की ओर ले गये। हल्ला करने लगी तो दोनों मुंह दबाकर जंगल के बाद खेत में ले जाकर दोनों इच्छा के विरुद्ध शारीरिक संबंध बनाया। जब रोने लगी तो आरोपियों ने उसे मारने लगे।धमकी देने लगे कि 8-10 लड़का और बुला लेंगे,मार डालेंगे तो डर से चुप हो गयी और अपने घर चली गयी।घर पहुंच कर अपनी दीदी को उसके बारे में बताये और दीदी ने अन्य परिजन को बतायी उसके बाद 19 फरवरी 2021 को भरनो थाना में जाकर प्राथमिकी दर्ज करायी।जिसके आधार पर गोयंदा उरांव को सजा सुनाया गया है।

पर्व त्यौहार के मद्देनजर खूंटी पुलिस ने किया मॉक ड्रिल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

खूंटी : आगामी ईद, सरहुल, रामनवमी को लेकर खूंटी पुलिस ने मॉक ड्रिल किया। कुछ वर्ष पूर्व खूंटी में पर्व त्योहारों के मौके पर असामाजिक तत्वों द्वारा क्षेत्र में शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ने का प्रयास किया गया था। इसके मद्देनजर खूंटी पुलिस पर्व त्योहारों के मौके पर अलर्ट मोड में रहते हुए ड्यूटी पर तैनात रहती है। खूंटी पुलिस ने बुधवार को कचहरी मैदान में किसी भी आपात स्थिति और उपद्रव फैलाने वाले तत्वों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। पर्व त्योहार में शांतिपूर्ण माहौल को बिगाड़ने वालों से खूंटी पुलिस सख्ती से निपटेगी और घटना दुर्घटना के वक्त त्वरित कार्रवाई करते हुए शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के साथ जरूरतमंद घायलों को एम्बुलेंस की सहायता से अस्पताल पहुंचाने की जिम्मेवारी का पूर्वाभ्यास मॉक ड्रिल के माध्यम से किया।खूंटी पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो ने सभी धर्म, समाज के अगुओं और जिम्मेदार नागरिकों से पर्व त्योहारों में शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने की अपील की है साथ ही किसी भी तरह की पुलिस सहायता की जरूरत पड़ने पर 112 डायल कर पुलिस को सूचित करने का आह्वान प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के माध्यम से किया है। खूंटी पुलिस आगामी पर्व त्योहारों के मद्देनजर अपनी तैयारी पूर्ण कर है, सभी चौक चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल बहाल किये गये हैं। असामाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर होगी और संदिग्ध व्यक्तियों पर कार्रवाई करते हुए जिले में अमन चैन बहाल करने में सक्रिय भूमिका निभाएगी।

शपथ ग्रहण समारोह को लेकर निषेधाज्ञा लागू

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : रांची नगर निगम के महापौर और वार्ड पार्षद तथा बुंडू नगर पंचायत के अध्यक्ष व वार्ड सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार को सुबह 10.30 बजे से शुरू होगा। समारोह समाहरणालय भवन के ब्लॉक-ए स्थित कक्ष संख्या 207 एवं 608 में संपन्न होगा। शपथ ग्रहण के बाद रांची नगर निगम के उपमहापौर तथा बुंडू नगर पंचायत के उपाध्यक्ष का चुनाव भी कराया जाएगा। समारोह के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अनुमंडल दंडाधिकारी ने बीएनएसएस की धारा-163 के तहत समाहरणालय परिसर में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। यह आदेश 19 मार्च की सुबह छह बजे से रात आठ बजे तक प्रभावी रहेगा।जारी आदेश के अनुसार, निषेधाज्ञा अवधि में समाहरणालय परिसर में पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने या चलने पर रोक रहेगी। हालांकि, सरकारी कार्य में लगे पदाधिकारी-कर्मचारी तथा सरकारी कार्यक्रम और शवयात्रा को इससे छूट दी गई।

पंचायत के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षदों ने ली शपथ, उपायुक्त ने दी शुभकामनाएं

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

खूंटी : नगरपालिका (आम) निर्वाचन के तहत खूंटी नगर पंचायत क्षेत्र के लिए निर्वाचित अध्यक्ष रानी टुटी को बुधवार को समाहरणालय स्थित सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आर रॉनिटा द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।इस अवसर पर उपायुक्त द्वारा नगर पंचायत के अंतर्गत निर्वाचित सभी वार्ड पार्षदों (वार्ड संख्या 1 से 19 तक) को भी शपथ दिलाई गई. कार्यक्रम के दौरान सभी नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का संकल्प लिया।

झारखंड के हर विधानसभा क्षेत्र में बनेगा कोल्ड स्टोरेज, किसानों को राहत देने की तैयारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड सरकार ने किसानों को बड़ी राहत देने की दिशा में अहम कदम उठाते हुए राज्य के हर विधानसभा क्षेत्र में कोल्ड स्टोरेज स्थापित करने की घोषणा की है। यह जानकारी राज्य की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा ने विधानसभा में दी। विधानसभा में एक प्रश्न के जवाब में मंत्री ने बताया कि वर्ष 2026-27 के बजट में हर विधानसभा क्षेत्र में एक-एक कोल्ड स्टोरेज बनाने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला विधायकों की सिफारिशों के आधार पर लिया गया है, ताकि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके और भंडारण की समस्या दूर हो।मंत्री ने यह भी जानकारी दी कि फिलहाल राज्य के हर जिले में 5000 मीट्रिक टन क्षमता का कोल्ड स्टोरेज या तो पहले से

मौजूद है या निमार्णाधीन है। इस नई योजना के लागू होने के बाद राज्य में भंडारण क्षमता और मजबूत होगी, जिससे किसानों को अपनी फसल सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी। दरअसल, डुमरी से विधायक जयराम महतो ने सदन में यह मुद्दा उठाया था कि पर्याप्त कोल्ड स्टोरेज की कमी के कारण किसानों को मजबूरी में अपनी उपज कम कीमत पर बेचनी पड़ती है। इस पर जवाब देते हुए कृषि मंत्री ने सरकार की योजना की जानकारी साझा की।हालांकि, किसानों को कोल्ड स्टोरेज में रखी उपज के बदले ऋण देने के सवाल पर मंत्री ने साफ किया कि फिलहाल सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। विधानसभा में इसी दौरान एक अन्य मुद्दा भी उठा। भाजपा विधायक राज सिन्हा ने धनबाद जिले में आठ लेन की सड़क के एक हिस्से के धंसने का मामला उठाया। उन्होंने दावा किया कि 461.9 करोड़ रुपये की लागत से बनी 20 किलोमीटर लंबी इस सड़क का एक हिस्सा पिछले 17 महीनों में आठ बार धंस चुका है।इस पर संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि यदि धन के दुरुपयोग की आशंका पाई जाती है, तो सरकार इस मामले की जांच जरूर कराएगी। सरकार की यह पहल राज्य के किसानों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि बेहतर भंडारण सुविधाएं मिलने से उन्हें बाजार में अपनी फसल का सही मूल्य मिलने की उम्मीद बढ़ेगी।

मानगो नगर निगम के डिप्टी मेयर राहुल कश्यप ने मेयर सुधा गुप्ता से की शिष्टाचार मुलाकात, विकास को लेकर हुई चर्चा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : मानगो नगर निगम के नव निर्वाचित डिप्टी मेयर राहुल कश्यप ने मेयर सुधा गुप्ता से शिष्टाचार भेंट की।इस मुलाकात के दौरान मानगो के समग्र विकास, जनसमस्याओं के त्वरित समाधान और आगामी योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर एक सार्थक संवाद हुई। मुलाकात के दौरान दोनों जनप्रतिनिधियों के बीच नगर निगम के कार्यों की वर्तमान स्थिति, विभिन्न वार्डों में चल रही विकास योजनाओं, स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल संकट, सड़क एवं प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर विस्तृत चर्चा हुई।विशेष रूप से आने वाले गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए पेयजल आपूर्ति को बेहतर बनाने, टैंकरों की संख्या बढ़ाने एवं पाइपलाइन व्यवस्था को दुरुस्त करने पर जोर दिया गया। डिप्टी मेयर राहुल कश्यप ने मेयर सुधा गुप्ता के नेतृत्व में नगर निगम द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि मानगो के विकास के लिए सभी

जनप्रतिनिधियों को एकजुट होकर कार्य करने की आवश्यकता है।उन्होंने विश्वास जताया कि समन्वय और सहयोग के साथ नगर निगम नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।वहीं मेयर सुधा गुप्ता ने कहा कि नगर निगम की प्राथमिकता जनता की समस्याओं का त्वरित और स्थायी समाधान सुनिश्चित करना है।उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।साथ ही उन्होंने डिप्टी मेयर सहित सभी पार्षदों एवं अधिकारियों से सामूहिक प्रयास के साथ कार्य करने का आह्वान किया, ताकि शहर को एक स्वच्छ, व्यवस्थित और विकसित नगर के रूप में स्थापित किया जा सके।मेयर सुधा गुप्ता ने यह भी कहा कि नगर निगम द्वारा एक व्यवस्थित प्रणाली विकसित की जा रही है, जिसके माध्यम से नागरिकों की शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।उन्होंने आम नागरिकों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा कि विकास की इस यात्रा में जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है।इस अवसर पर पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि यह शिष्टाचार मुलाकात मानगो को बेस्ट नगर निगम बनाने के दिशा मे महत्वपूर्ण कदम हैं। इसे नगर निगम में बेहतर तालमेल, समन्वय और विकास कार्यों को नई गति देने की दिशा में एक सकारात्मक पहल के रूप में देखा जा रहा है।मुलाकात के दौरान पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता, उपेंद्र सिंह मस्तान समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

स्कूल का छज्जा गिरने के मामले पर अधिकारी पहुंचे गांव,घायल तीन बच्चों से किया मुलाकात

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला प्रखंड के गोविंदपुर पंचायत अंतर्गत खाप्परसाही गांव स्थित प्राथमिक स्कुल भवन के छज्जा गिरने व तीन बच्चों के घायल होने के मामले पर बुधवार को जिला शिक्षा अधिक्षक कैलाश प्रसाद मिश्रा, बीईईओ दिनेश दंडपाट,बीपीओ सांत्वना जेना, अभियंता श्रीकांत कवि ने स्कूल का निरीक्षण किया और भवन की स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों सहित मुखिया दुबराज पुर्ति की सहमति से गांव के ही आंगनबाडी भवन में स्कूल को शिफ्ट कर दिया गया।गुरूवार से बच्चे आंगनबाडी में ही जाएंगे और वहीं पर स्कूल संचालित होगा।निरीक्षण के पश्चात डीएसई सहित अन्य अधिकारीयों ने घायल बच्चों के घर पहुंच कर उनका हाल चाल पुछा तो बच्चों ने ठीक होने की बात कहा। प्राथमिक विद्यालय खाप्परसाही में 40 वर्ष पुराने भवन में अब स्कूल संचालित नही होगा और उसके जगह दो कमरा व बरामदा वाला नया स्कूल भवन का निमार्ण होगा इसकी ऑन स्पॉट स्वीकृति दे दिया गया है। भवन का निमार्ण आंगनबाडी भवन के पास खाली पड़े तीस डिसमिल जमीन पर बनेगा। भवन निमार्ण की स्वीकृति मिलने पर मुखिया दुबराज पुर्ति द्वारा मुखिया फंड़ से शौचालय व बोरिंग का निमार्ण करने की बात कहा गया ताकि बच्चों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना करना नही पड़े। बैठक में ग्रामीणों ने सर्वसम्मिति से नये स्कूल भवन निमार्ण करने की मांग रखी गयी जिस पर मुखिया सहित अधिकारीयों ने सहमति जतायी।खाप्परसाही स्कूल में हुई घटना के बाद बुधवार को स्कूल के बच्चे पेड के नीचे ही पठन पाठन कर रहे थे इसके बाद बच्चों ने मध्यान्ह भोजन भी खाया। अधिकारी पहुंचने के पश्चात ग्रामीणों की सहमति से स्कूल को छुट्टी कर दिया गया वहीं गुरूवार से आंगनबाडी भवन में स्कूल संचालित होगा।

शांति एवं सौहाद्रपूर्ण वातावरण में ईद पर्व मनाने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम

मधुबनी, (एजेंसी) : बिहार के मधुबनी जिले में ईद पर्व को शांतिपूर्ण ,सौहाद्रपूर्ण एवं भाईचारे के वातावरण में मनाने एवं इस अवसर पर जिले में विधि व्यवस्था संधारण को लेकर जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा एवं पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार द्वारा संयुक्त आदेश जारी किया गया है। जिसके तहत जिले के 432 स्थानों पर 864 दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी के साथ साथ काफी संख्या में पुलिस के जवानों की प्रतिनियुक्ति की गई है। डीएम ने सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को ससमय प्रतिनियुक्ति स्थल पर पहुंच कर अपने दायित्व का निर्वहन करने का निर्देश दिया है। सभी दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी अपने-अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर उपस्थित होकर संयुक्त फोटो, व्हाट्सएप नम्बर पर भेजना सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी ने कहा है कि असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखें। शांति भंग करने वाले या कानून को हाथ में लेने वाले असमाजिक तत्वों पर तत्काल विधि-सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। डीएम ने कहा है कि अफवाह फैलाने वालों पर कठोर कार्रवाई करने से जरा भी नही हिचकें। सादे लिबास में पुलिसकर्मी शरारती तत्वों पर नजर रखेंगे। सभी पदाधिकारियों को पूरी तरह से चौकस रहने का निर्देश दिया गया है। विधि व्यवस्था संधारण को लेकर वरीय अधिकारियों को जबाबदेही दी गई है. जो सीधे पल-पल की गतिविधियों से जिलाधिकारी को अवगत कराएंगे। सभी प्रखंडों के बीडीओ,सीओ एवं थानाध्यक्ष को निर्देश दिया गया है कि आपस में समन्वय बनाकर लगातार सभी संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण कर स्थिति पर कड़ी नजर रखेंगें। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने जिलेवासियों से आपसी भाईचारे के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में ईद का त्योहार मनाने का अपील किया गया हैं।

नियंत्रण कक्ष की स्थापना

जिले की पल पल की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए जिला नियंत्रण कक्ष 20 मार्च से पर्व की समाप्ति तक लगातार 24 घण्टे कार्यरत रहेगा। जिला नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नंबर 06276-224425 है। मधुबनी जिला नियंत्रण कक्ष के वरीय प्रभार में अपर समाहर्ता रहेंगे। जिला नियंत्रण कक्ष 24 घंटे तीन शिफ्टों में कार्यरत रहेगा। सभी शिफ्टों में पर्याप्त संख्या में पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए नियंत्रण कक्ष में दंगा नियंत्रण कंपनी, वज्र-वाहन, अग्निशमन, आदि की तैनाती की गई है। अग्निशमन पदाधिकारी को निर्देश दिया गया है कि अग्निशमन दस्ता को हर समय तैयार रखेंगे ताकि आपात स्थिति में ससमय नियंत्रण किया जा सके। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया है कि सोशल मीडिया पर झूठी, भ्रामक एवं अफवाह फैलाने वाली खबरों पर नजर रखें। इसको लेकर जिला साइबर सेल एवं सूचना एवं जनसम्पर्क की सोशल मीडिया टीम को 24 घंटे सक्रिय रहकर सोशल मीडिया पर कड़ी नजर रखने एवं ऐसे असामाजिक एवं उपद्रवी तत्वों के विरुद्ध कड़ी करवाई करने का निर्देश दिया है।

नीतीश कुमार के सुशासन में अल्पसंख्यकों को मिला हक, सम्मान और मुख्यधारा में मजबूत भागीदारी: अंजुम आरा

पटना, (एजेंसी) : जद (यू0) की प्रदेश प्रवक्ता अंजुम आरा ने जारी बयान में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बीते 20 वर्षों में बिहार ने विकास, सुशासन और सामाजिक न्याय का ऐसा मॉडल प्रस्तुत किया है, जिसने अल्पसंख्यक समुदाय के जीवन में वास्तविक और ऐतिहासिक बदलाव लाया है। उन्होंने कहा कि जहाँ पूर्ववर्ती सरकारों के दौर में अल्पसंख्यक समाज को केवल वोट बैंक की राजनीति और तुष्टिकरण का माध्यम बनाकर रखा गया, वहीं नीतीश कुमार की सरकार ने न्याय के साथ विकास और ह्यह्यसमावेशी विकास की नीति के तहत अल्पसंख्यकों को शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान, रोजगार और आत्मनिर्भरता के रास्ते पर आगे बढ़ाने का काम किया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अल्पसंख्यक समाज के उत्थान को कभी राजनीतिक नारे तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे ठोस योजनाओं, संस्थागत सुधारों और उपलब्धियों के माध्यम से धरातल पर उतारा। वर्ष 2005-06 में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग का बजट जहाँ मात्र 3.5 करोड़ रुपये था, वहीं उनकी दूरदर्शी सोच और संवेदनशील नेतृत्व में इस क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि की गई, जिससे शिक्षा, कौशल विकास और कल्याणकारी योजनाओं को नई मजबूती मिली। यह सिर्फ बजट बढ़ाने की बात नहीं थी, बल्कि अल्पसंख्यक समाज के भविष्य को मजबूत करने की प्रतिबद्धता का स्पष्ट प्रमाण था। उन्होंने कहा कि मदरसा शिक्षा के क्षेत्र में जो ऐतिहासिक सुधार हुए, वे बिहार के सामाजिक परिवर्तन की मिसाल हैं। मदरसों को मान्यता देना, मदरसा शिक्षकों को सरकारी शिक्षकों के समकक्ष वेतनमान उपलब्ध कराना और आधुनिक पाठ्यक्रम लागू करना, ये ऐसे कदम थे जिन्होंने हजारों छात्र-छात्राओं को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ा। इससे न केवल शिक्षा का स्तर बेहतर हुआ, बल्कि अल्पसंख्यक समाज के बच्चों के लिए अवसरों के नए द्वार भी खुले। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी ने यह साबित किया कि परंपरा और आधुनिकता को साथ लेकर चलना ही सच्चे विकास का मार्ग है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अल्पसंख्यक बेटियों के सशक्तिकरण को विशेष प्राथमिकता दी। ह्यहुनरह्ल जैसे अभिनव कार्यक्रमों के माध्यम से हजारों अल्पसंख्यक लड़कियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाया गया। अल्पसंख्यक युवाओं के लिए कौशल विकास और रोजगार सृजन के क्षेत्र में भी नीतीश सरकार ने उल्लेखनीय कार्य किया है। 20,000 से अधिक युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार और स्वरोजगार के योग्य बनाया गया। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में सैंकड़ों पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया सुनिश्चित कर यह स्पष्ट किया गया कि सरकार अवसरों की समान भागीदारी में विश्वास रखती है। यह कहना बिल्कुल उचित होगा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी ने अल्पसंख्यकों के लिए तुष्टिकरण की राजनीति को समाप्त कर सशक्तिकरण की नई परिभाषा गढ़ी है।

संक्षिप्त खबरें

सीएम के आगमन को लेकर मायापुर बना हाई अलर्ट जोन, प्रशासन ने सुरक्षा को लेकर कसी कमर

डीएम-एसएसपी ने संयुक्त निरीक्षण कर तैयारियों का लिया जायजा

सुरक्षा, ट्रैफिक व भीड़ प्रबंधन पर विशेष फोकस और अधिकारियों को सख्त निर्देश,

मुख्यमंत्री का 20 मार्च को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मायापुर में प्रस्तावित है समृद्धि यात्रा कार्यक्रम

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। इसी कड़ी में बुधवार को जिलाधिकारी शशांक शुभंकर एवं वरीय पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार के नेतृत्व में एडीएम व सिटी एसपी सहित अन्य वरीय अधिकारियों की टीम ने टनकुप्पा प्रखंड के मायापुर स्थित कार्यक्रम स्थल का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए हर बिंदु पर सूक्ष्म समीक्षा की। कार्यक्रम स्थल के प्रवेश एवं निकास मार्ग, पार्किंग स्थल, बैरिकेडिंग, भीड़ नियंत्रण व्यवस्था और वीआईपी मूवमेंट को लेकर विस्तृत योजना पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो और कार्यक्रम सुचारू रूप से संचालित हो। इस मौके पर सुरक्षा के मद्देनजर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी तथा संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। साथ ही ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए वैकल्पिक मार्गों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और समय पर तैयारियां पूर्ण करने का निर्देश दिया गया है। प्रशासन का लक्ष्य है कि कार्यक्रम पूरी तरह सुरक्षित, व्यवस्थित और शांतिपूर्ण माहौल में सफलतापूर्वक संपन्न हो, जिसके लिए हर स्तर पर तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

फतेहपुर में समोसा छानने के दौरान गैस लीकेज से लगी आग में मां-बेटी झुलसीं, गया रेफर

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : होटल में समोसा छानने के दौरान गैस रिसाव से लगी आग म झुलस कर मां-बेटी गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया। घटना में घायल मां-बेटी को बेहतर इलाज के लिए भेज रेफर कर दिया गया है। फतेहपुर थाना क्षेत्र के डिहुरी गांव में बुधवार शाम की यह घटना है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, होटल में रोज की तरह समोसा तैयार किया जा रहा था। इसी दौरान अचानक गैस सिलेंडर से लीकेज होने लगा और देखते ही देखते आग भड़क उठी। आग की चपेट में आकर होटल में काम कर रही महिला ममता देवी और उसकी बेटी स्वीटी कुमारी बुरी तरह झुलस गईं। घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को इलाज के लिए तुरंत फतेहपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए गया के मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया।

रेलकर्मियों की चयनित 739 पुत्रियों को उच्च शिक्षा हेतु किया गया छात्रवृति वितरित

साथ ही कक्षा-8 में पढ़ रही रेलकर्मियों के बच्चियों को किया साईकिल का वितरण

हाजीपुर (एजेंसी) : पूर्व मध्य रेल द्वारा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बुधवार को मुख्यालय, हाजीपुर स्थित वैशाली रेल प्रेक्षागृह में महिला रेलकर्मियों के लिए सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया । महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह तथा पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती सुनिता सिंह द्वारा समारोह का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह एवं पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती सुनीता सिंह द्वारा पांचों मंडलों एवं मुख्यालय के रेलकर्मियों के उच्च तकनीकी/व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त कर रहीं 739 चयनित पुत्रियों को कर्मचारी कल्याण निधि से छात्रवृति के रूप में 01 करोड़ 33 लाख रुपए की राशि वितरित की गयी । इसके साथ ही कक्षा-8 में पढ़ रही 62 रेलकर्मियों के बच्चियों को साईकिल वितरित की गयी तथा इस माह में रेल सेवा से सेवानिवृत्त हो रही 06 महिलाओं को भी सम्मानित किया गया।इस अवसर पर महाप्रबंधक ने कहा कि आज महिलाएं जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में यथा- सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक में सफल हुई है। उन्होंने कहा कि इस रेलवे में महिला लोको पायलट, गार्ड, स्टेशन मास्टर, इंजीनियर, ट्रैक मेंटेनर, जैसे महत्वपूर्ण एवं संरक्षा से जुड़े पदों पर कार्य करते हुए रेल और देश के विकास में योगदान दे रहीं हैं। पूर्व मध्य रेल के लिए यह अत्यंत गौरव की बात है कि भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कप्तान पूर्व मध्य रेल से ही है एवं उनके साथ पूर्व मध्य रेल की कई प्रतिभावान खिलाड़ी टीम में शामिल हैं । इनके लिए स्पोर्टस हॉस्टल की व्यवस्था की गई है एवं अन्य अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं विकसित की जा रही है । महाप्रबंधक ने सम्मानित हो रही बालिकाओं के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उन्हें प्रदान की जा रही शैक्षणिक सहायता राशि एवं साईकिल एक प्रतीक मात्र है ताकि उन्हें अपने क्षेत्र में विशेष उपलब्धि हासिल करने एवं इसका लाभ देश एवं समाज को देने हेतु प्रोत्साहित किया जा सके । पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती सुनिता सिंह ने कहा कि आज देश हीं नहीं, विश्व पटल पर महिलाओं के नेतृत्व क्षमता साबित हो चुकी है। जहां देश का नेतृत्व महिला के रूप में माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मूर्मू के हाथों में है वहीं, भारतीय रेल भी इसमें पीछे नही है । रेलवे बोर्ड के शीर्ष पदों पर महिलाएं आसीन हैं, साथ-साथ लगभग एक लाख महिलाएं भारतीय रेल को प्रगति के पथपर अग्रसर करने में अपना योगदान दे रहीं हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं ने आसमां तक अपनी क्षमता का परिचय दिया है जिसके कारण आज महिलाएं सुखोई जैसे विमान के पायलट से लेकर वंदे भारत के लोको पायलट, अंतरिक्ष यात्री एवं पर्वतारोही जैसे क्षेत्रों में अपना परचम लहरा रही हैं । मैं आज सम्मानित हो रही बच्चियों के आगे की खुशहाल जीवन एवं उज्वल भविष्य की कामना करती हूं ।

रेलवे की प्रगति व समृद्धि में आरपीएफ की भूमिका अहमः तोमर

डीडीयू रेल मंडल के वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त दिनेश सिंह तोमर ने बातचीत में कहा

गया जी(एजेंसी) : रेलवे की प्रगति और समृद्धि में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आरपीएफ केवल सुरक्षा एजेंसी ही नहीं बल्कि यात्रियों के विश्वास और रेलवे की साख को बनाए रखने का प्रमुख स्तंभ भी है। पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल के वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त दिनेश सिंह तोमर ने आरपीएफ अधिकारियों और जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में आरपीएफ के कंधों पर जिम्मेदारियां पहले की तुलना में काफी बढ़ गई हैं। ऐसे में सभी कर्मियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ करना होगा। श्री तोमर ने कहा कि रेल संपत्ति की सुरक्षा के साथ-साथ यात्रियों की सुरक्षा और सहायता सुनिश्चित करना आरपीएफ की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी कहा कि यात्रियों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान से ही आरपीएफ की छवि मजबूत होगी। इसके लिए सतर्कता, अनुशासन और संवेदनशीलता बेहद जरूरी है।

ड्यूटी में लापरवाही से बचें, ईमानदारी से निभाएं कर्तव्य

वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री तोमर ने अपने संबोधन में आरपीएफ अधिकारियों और जवानों को ड्यूटी के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने कहा कि छोटी सी चूक भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है, इसलिए हर परिस्थिति में सतर्क रहना आवश्यक है। उन्होंने कर्मियों को ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने का संदेश दिया। साथ ही यह भी कहा कि सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग बढ़ाना होगा। श्री तोमर ने कहा कि आरपीएफ का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित और भरोसेमंद वातावरण उपलब्ध कराना है। इसके लिए सभी को टीम भावना के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे अपने अधीनस्थों का मार्गदर्शन करें और उन्हें समय-समय पर प्रेरित करते रहें। उन्होंने विश्वास जताया कि आरपीएफ के सभी अधिकारी और जवान अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे और रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाएंगे।

किशोरियों को सेहत व स्वच्छता का पाठ, एनीमिया से बचाव की दी गई अहम जानकारी

संतुलित आहार और पीरियड स्वच्छता पर चिकित्सकों ने दिया सुझाव

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर प्रखंड के कठौतिया केवाल पंचायत स्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुरपा में बुधवार को किशोरियों के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को लेकर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में किशोरावस्था से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुखिया सारिका कुमारी एवं समाजसेवी रंजीत साव ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में मासिक धर्म (पीरियड) के दौरान स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। छात्राओं को बताया गया कि इस दौरान सैनिटरी पैड का उपयोग करें, उसे समय-समय पर बदलें तथा व्यक्तिगत स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें, ताकि किसी भी प्रकार के संक्रमण से बचा जा सके। इस अवसर पर छात्राओं के बीच स्वास्थ्य किट का भी वितरण किया गया, जिससे वे विशेष दिनों में स्वच्छता का बेहतर तरीके से ध्यान रख सकें। इस मौके पर चिकित्सक डॉ. रमेश कुमार एवं एएनएम नेहा कुमारी ने छात्राओं को एनीमिया (खून की कमी) से बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संतुलित और पौष्टिक आहार, जैसे हरी सब्जियां, दाल, गुड़, चना एवं फल का नियमित सेवन करने से शरीर में खून की कमी नहीं होती है। साथ ही आयरन युक्त खाद्य पदार्थों को आहार में शामिल करने और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने की भी सलाह दी गई।मौके पर बचिया देवी, देवंती देवी, सोसन एक्का, एएनएम नेहा कुमारी, आशा कार्यकर्ता पूनम कुमारी, संतोष कुमार सहित कई लोग उपस्थित रहे।

गया जंक्शन: विश्वस्तरीय स्टेशन का मजबूती के साथ दिया जा रहा स्वरूप : डॉ प्रेम

विधानसभा अध्यक्ष ने रेल कंस्ट्रक्शन विभाग के अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

गया जी (एजेंसी) : बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार ने पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन का निरीक्षण कर स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि गया जंक्शन को विश्वस्तरीय स्टेशन का स्वरूप देने के लिए तेजी और मजबूती से काम किया जा रहा है।निरीक्षण के बाद आयोजित समीक्षा बैठक में रेल कंस्ट्रक्शन विभाग के अधिकारियों के साथ विभिन्न योजनाओं और निर्माण कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। डॉ प्रेम कुमार ने अधिकारियों से कहा कि स्टेशन के विकास कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

उन्होंने कहा कि गया जंक्शन अंतरराष्ट्रीय महत्व का स्टेशन है, क्योंकि यहां से बड़ी संख्या में देश-विदेश के पर्यटक आते-जाते हैं। विशेष रूप से बौद्ध धर्म से जुड़े श्रद्धालुओं की आवाजाही को देखते हुए स्टेशन की सुविधाओं को आधुनिक और व्यवस्थित बनाना आवश्यक है।बैठक में उन्होंने स्टेशन परिसर की स्वच्छता, यात्री प्रतीक्षालय, पार्किंग व्यवस्था, प्लेटफॉर्म की सुविधाओं और प्रवेश-निकास मार्ग को और बेहतर बनाने के लिए कई सुझाव दिए। इसके साथ ही यात्रियों के लिए डिजिटल सूचना प्रणाली, बेहतर प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूत करने पर जोर दिया गया।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सभी योजनाओं को तय समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए ताकि यात्रियों और स्थानीय लोगों को जल्द से जल्द इसका लाभ मिल सके।उन्होंने विश्वास जताया कि योजनाओं के पूर्ण होने के बाद गया जंक्शन एक आधुनिक और सुविधाजनक विश्वस्तरीय स्टेशन के रूप में विकसित होगा। इस अवसर पर रेल कंस्ट्रक्शन विभाग के अभियंता हरि गोविंद राय, कंस्ट्रक्शन एजेंसी के जीएम बीके सिंह, प्रोजेक्ट मैनेजर संजय कुमार सिन्हा, विक्की शर्मा, राजनंदन गांधी आदि मौजूद रहे।

पंचायत स्तर पर न्याय व्यवस्था होगी मजबूत,ई-ग्राम कचहरी बनेगा सशक्त

सरपंच, सचिव व न्याय मित्रों को दी जा रही डिजिटल और कानूनी जानकारी

24 मार्च तक चरणबद्ध तरीके से चलेगा प्रशिक्षण कार्यक्रम

गया जी (एजेंसी) : जिला पंचायत संसाधन केंद्र, केन्दुई में ई-ग्राम कचहरी विषय पर जिला स्तरीय एक दिवसीय गैर-आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में प्रखंड इमामगंज, मोहड़ा एवं कोंच के सभी सरपंच, ग्राम कचहरी सचिव, न्याय मित्र एवं प्रखंड कार्यपालक सहायकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जिला पंचायत राज पदाधिकारी आदित्य कुमार के मार्गदर्शन में संचालित किया गया। जबकि सत्र का संचालन नोडल पदाधिकारी बैजनाथ कुमार के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस दौरान प्रशिक्षकों की टीम में सन्तेलाल कुमार, आशुतोष कुमार सिंह, मनीष किशोर, अलोक कुमार सिंह एवं मीना कुमारी शामिल रहे। प्रशिक्षण में ग्राम कचहरी की अवधारणा, ई-ग्राम कचहरी की कार्यप्रणाली, ई-मेल के माध्यम से मामलों के निष्पादन की प्रक्रिया तथा बिहार पंचायत राज अधिनियम 2006 के तहत ग्राम कचहरी को प्राप्त अधिकारों और शक्तियों की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रतिभागियों कोत डिजिटल माध्यम से न्यायिक प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के तरीकों पर भी प्रशिक्षित किया गया।अधिकारियों ने बताया कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य पंचायत स्तर पर न्याय व्यवस्था को मजबूत बनाना और ग्रामीण क्षेत्रों में त्वरित एवं सुलभ न्याय सुनिश्चित करना है। डिजिटल तकनीक के उपयोग से मामलों के निष्पादन में तेजी आएगी और पारदर्शिता भी बढ़ेगी।यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 24 मार्च तक चरणबद्ध तरीके से आयोजित किया जाएगा, जिसमें जिले के सभी प्रखंडों के सरपंच, ग्राम कचहरी सचिव, न्याय मित्र एवं प्रखंड कार्यपालक सहायकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इस पहल से पंचायत स्तर पर न्यायिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की उम्मीद जताई जा रही है।

संपादकीय

बुरी तरह फंसे दुनिया के दादा ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति का पद संभाला उसके बाद से उनका अहंकार चरम पर पहुंच गया। वह अपने आपको शांति का मसीहा बताना चाहते थे। सारी दुनिया में ट्रंप को एक विश्व गुरु के रूप में जाना जाए इसके लिए उन्होंने वह सब प्रयास किया जो वह कर सकते थे। अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में वह राजनेता कम एक गैंगस्टर के रूप में ज्यादा नजर आए। पद संभालते ही उन्होंने यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध को बंद कराने की कोशिश की। इजरायल और हमास के बीच चली जंग को लेकर वह इजरायल के पक्ष में खड़े हुए। गाजा को पूरी तरह से समाप्त करके वहां अमेरिकी कॉलोनी बनाने का प्रयास किया। उन्होंने सारी दुनिया के देशों में अपने परिवार के व्यापार को बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति पद का उपयोग किया। वह चाहते हैं, कि अमेरिका के वह तीसरी बार राष्ट्रपति बने, इसके लिए उन्होंने सारी दुनिया में अपनी ताकत का परचम फहराने की तो कोशिश की, सबसे पहले उन्होंने टैरिफ के माध्यम से सारी दुनिया के देशों को भयाक्रांत किया। अमेरिका की दादागिरी बताकर दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने की कोशिश की, लेकिन उनके अहंकार और दादागिरी के कारण उनका हर दांव उल्टा पड़ता चला गया। आज डोनाल्ड ट्रंप अपने ही बनाये हुए मकड़जाल में फंसकर फड़फड़ा रहे हैं, लेकिन अब वह सामान्य व्यक्ति की तरह जिंदा रह पाएंगे या नहीं, इसकी भी कोई गारंटी नहीं है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की दोस्ती उन्हें इतनी भारी पड़ेगी इसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी। सत्ता के नशे में डूबे हुए डोनाल्ड ट्रंप अब अपनी कुर्सी बचाने के लिए ही संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। दरअसल इजरायल के उकसावे पर उन्होंने ईरान पर हमला किया। उन्होंने ईरान पर वेनेजुएला की तरह कब्जा करने की कोशिश की। वहां पर विद्रोह करवाने की साजिश रची। लेकिन कहते हैं जब अंत समय आता है उस समय बुद्धि सबसे पहले खराब होती है। लगता है यही ट्रंप के साथ हुआ। जैसे ही ईरान के सुप्रीमो आयतुल्लाह खामेनेई को सत्ता छोड़ने के लिए धमकाया गया और बाद में उनकी हत्या कर दी गई। एक स्कूल में हमला करके 180 से ज्यादा मासूम बच्चियों की हत्या कर दी गई। उसके बाद लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के पाप का घड़ा भर गया है। फिलिस्तीन में भी बड़ी संख्या में निर्दोष महिलाओं और बच्चों की हत्या इजरायल द्वारा की गई थी। बीमार, मजबूर लोगों तक खाना नहीं पहुंचने दिया गया। अस्पताल में इलाज करा रहे बच्चे, बुजर्ग और महिलाओं को हमला करके मार दिया गया।

ना तो कोई किसी का मित्र है ना ही शत्रु है।
व्यवहार से ही मित्र या शत्रु बनते हैं।
: हितोपदेश

तीन चीजों को लम्बी अवधि तक छुपाया नहीं जा सकता, सूर्य, चन्द्रमा और सत्य।
: गौतम बुद्ध

कुमारी पूजन और देवी दर्शन से खुश होती है मां

वासंतिक नवरात्र पर मां को खुश करने का फलदायी महत्व है।तभी तो देवी उपवास में कुमारी पूजन को परम आवश्यक माना गया है।

तभी तो श्री दुर्गा सप्तशती का विधिपूर्वक पूजन करने के लिए मंत्र

नमो देव्यै महादेव्यै शिवायै सततं नमः।

नमः प्रकृत्यै भद्रायै नियताः प्रणताः स्म ताम्ह्व उच्चारित कर

पंचोपचार पूजन करके यथाविधि श्री दुर्गा सप्तशती का पाठ करना चाहिए। सामर्थ्य हो तो नवरात्रि में प्रतिदिन, अन्यथा समाप्ति के दिन नौ कुमारियों के चरण धोकर उन्हें देवी रूप मानकर गंध-पुष्पादि से अर्चन कर श्रद्धा भाव के साथ यथारुचि मिष्ठान भोजन कराना चाहिए एवं वस्त्रादि से उनका सत्कार करना चाहिए।

कुमारी पूजन में दस वर्ष तक की कन्याओं का अर्चन विशेष महत्व रखता है। दो वर्ष की कन्या कुमारी, तीन वर्ष की त्रिमूर्तिनी, चार वर्ष की कल्याणी, पांच वर्ष की रोहिणी, छः वर्ष की काली, सात वर्ष की चंडिका, आठ वर्ष की शाम्भवी, नौ वर्ष की दुर्गा और दस वर्ष वाली सुभद्रा स्वरूपा मानी जाती है।

दुर्गा पूजा में प्रतिदिन की पूजा का विशेष महत्व है जिसमें प्रथम शैलपुत्री से लेकर नवम्ह्व सिद्धिदात्री तक नव दुगाओं की नव शक्तियों का और स्वरूपों का विशेष अर्चन किया जाता है।

दुर्गा सप्तशती की व्याख्या करे तो

दुर्गा अर्थात दुर्ग शब्द से दुर्गा बना है , दुर्ग =किला ,स्तंभ , शप्तशती अर्थात सात सौ` जिस ग्रन्थ को सात सौ श्लोकों में समाहित किया गया हो उसका नाम शप्तशती है`

जो कोई भी इसका पाठ करेगा ह्वमाँ जगदम्बाह्व की उसके ऊपर असीम कृपा होती है ऐसी मान्यता है

इस बारे में एक कथा भी है कि ह्वसुरथ और ह्वसमाधी ह्व नाम के राजा एवं वैश्य का मिलन किसी वन में होता है ,और वे दोनों अपने मन में विचार करते हैं, कि हमलोग राजा एवं सभी संपदाओं से युक्त होते हुए भी अपनों से विरक्त हैं ,किन्तु यहाँ वन में, ऋषि के आश्रम में, सभी जीव प्रसन्नता पूर्वक एकसाथ रहते हैं` यह आश्चर्य लगता है ,कि क्या कारण है ,जो गाय के साथ सिंह भी निवास करता है, और कोई भय नहीं है,जब हमें अपनों ने परित्याग कर दिया, तो फिर अपनों की याद क्यों आती है ?

उन्हें ऋषि के द्वारा यह ज्ञात होता है ,कि यह उसी ह्व महामाया ह्व की कृपा है ,जिसे मां दुर्गा के रूप में पूरा संसार जानता है।इस पर वे दोनों ह्व दुर्गाह्व की आराधना करते हैं ,और ह्वशप्तशती ह्व के बारहवे अध्याय में आशीर्वाद प्राप्त करते हैं ,और अपने परिवार से उनका मिलन भी हो जाता है`

दुर्गा सप्तशती पाठ करने से अलग अलग अध्याय का अलग अलग लाभ बताया गया है।जैसे प्रथम अध्याय- हर प्रकार की चिंता मिटाने के लिए।

द्वितीय अध्याय- मुकदमा झगडा आदि में विजय पाने के लिए।

तृतीय अध्याय- शत्रु से छुटकारा पाने के लिये।

चतुर्थ अध्याय- भक्ति शक्ति तथा दर्शन के लिये।

पंचम अध्याय- भक्ति शक्ति तथा दर्शन के लिए।

षष्ठम अध्याय- डर, शक, बाधा हटाने के लिये।

सप्तम अध्याय- हर कामना पूर्ण करने के लिये।

अष्टम अध्याय- मिलाप व वशीकरण के लिये।

नवम अध्याय- गुमशुदा की तलाश, हर प्रकार की कामना एवं पुत्र आदि के लिये।

दशम अध्याय- गुमशुदा की तलाश, हर प्रकार की कामना एवं पुत्र आदि के लिये। एकादश अध्याय- व्यापार व सुख-संपत्ति की प्राप्ति के लिये।

द्वादश अध्याय- मान-सम्मान तथा लाभ प्राप्ति के लिये।

त्रयोदश अध्याय- भक्ति प्राप्ति के लिये।लेकिन चिंतन का विषय यह भी है कि इतनी पूजा पाठ के बाद भी आज शायद ही ऐसा कोई धर हो या बस्ती जहां नारी जिसे देवी माना गया है वह स्वयं को पूरी तरह से सुरक्षित महसूस कर सके। जबकि नारी के बिना समाज की कल्पना नही की जा सकती।पुरूष प्रधान कहे जाने वाले इस समाज में नारी देवी के रूप में पुजनीय है। नारी को शक्ति स्वरूपा भी कहा गया है। लेकिन जब नारी को सम्मान देने की बारी आती है तो लोगो का पुरूषोत्व जाग उठता है और नारी फिर भोग्या समझ ली जाती है। हालाकि देश में रानी लक्ष्मीबाई समेत अनेक ऐसी विरांगनाएं हुई हैं, जिन्होंने राष्टभक्ति और बहादुरी का इतिहास रचा तथा नारी को आत्मस्वाभिमान के सिहासंन पर बैठाया। वहीं नारी को ममता की मूरत बताते हुए उसे कोमल हदय कहा जाता है।लेकिन फिर भी नारी का सम्मान और उसका अस्तित्व खतरे में है।

नारी को या तो कन्या भ्रूण हत्या के रूप में जन्म लेने से पहले ही समाप्त किया जा रहा है या फिर उसे दहेज की बलिवेदी पर जिंदा जला दिया जाता है। हद तो यह है कि नारी को जन्म लेने से पहले ही मार डालने और अगर जिंदा बच जाए तो विवाह होने पर दहेज के लिए प्रताडित करने में अधिकतर नारियों की भूमिका रहती है। हालांकि कहीं कहीं पुरूष भी पति देवर जेठ व ससुर के रूप में नारी को प्रताडित करने से बाज नहीं आते।सबसे पहले हमें अपने घर,आसपास, गांव शहर जहां भी नारी वजूद में है,उनका सम्मान करना चाहिए ,तभी नवरात्र का आध्यात्मिक व धार्मिक महत्व सार्थक हो सकता है।मौजूदा वासंतिक नवरात्र को सार्थक करने के लिए शास्त्रो में नवरात्र के पहले दिन मुखनिर्मालिका देवी के दर्शन का विधान है। कहते हैं देवी के निर्मल मुख के दर्शन से व्यक्ति के जीवन में भी निर्मलता का भाव उत्पन्न होता है। शक्ति के उपासक इस दिन शैलपुत्री देवी का दर्शन भी करते हैं।

दूसरा स्थान ज्येष्ठा गौरी का है। ज्येष्ठा गौरी के दर्शन पूजन से व्यक्ति की समस्त सद्कामनाएं पूर्ण होती हैं। ज्येष्ठा गौरी के दर्शन-पूजन से मुख्यतः व्यक्ति के हदय में धर्म के प्रति अनुराग बढ़ता है।

वासंतिक नवरात्र की तृतीया तिथि पर सौभाग्य गौरी के दर्शन का विधान है। देवी के इस स्वरूप के दर्शन से व्यक्ति के जीवन में सौभाग्य की वृद्धि होती है। कहते हैं 108 दिन लगातार देवी के दर्शन से मनोरथ विशेष अवश्य पूर्ण होता है।

वासंतिक नवरात्र की चतुर्थी तिथि पर श्रृंगार गौरी के दर्शन पूजन का विधान है। मूलतः श्रृंगार गौरी वैभव और सौंदर्य की देवी हैं।

गौरी के विशालाक्षी स्वरूप का दर्शन पूजन वासंतिक नवरात्र में पंचमी तिथि पर किया जाता है। ऐसी मान्यता है कि देवी विशालाक्षी के दर्शन से जन्म जन्मांतर के पाप धुल जाते हैं। देवी का कमल के पुष्प अति प्रिय हैं।

वासंतिक नवरात्र की षष्ठी तिथि पर ललिता गौरी के दर्शन पूजन का विधान है। कहते हैं देवी की आराधना से व्यक्ति को ललित कलाओं में विशेष उपलब्धि प्राप्त होती है। अडुहुल का फूल देवी को विशेष रूप से प्रिय है।

वासंतिक नवरात्र के सातवें दिन भवानी गौरी का दर्शन पूजन किया जाता है। बहुत से लोग इस दिन कालरात्रि देवी के दर्शन-पूजन भी करते हैं।

वासंतिक नवरात्र की अष्टमी तिथि पर मंगला गौरी का दर्शन पूजन किया जाता है। देवी के दुर्गा स्वरूप की आराधना करने वाले भक्त इस दिन महागौरी अन्नपूर्णा के दर्शन करते हैं। मंगला गौरी का एक मंदिर काशी विश्वनाथ मंदिर में भी है। कहते हैं देवी की आराधना से व्यक्ति के समस्त प्रकार के अमंगलों का क्षय हो जाता है।

वासंतिक नवरात्र के अंतिम दिन नवमी तिथि पर महालक्ष्मी गौरी के दर्शन-पूजन का विधान है। कहते हैं किसी भी नवमी तिथि पर देवी के दर्शन का फल कई गुना बढ़ जाता है। देवी की कृपा होने पर व्यक्ति को धन की कमी नहीं होती।लेकिन इस पूजा और देवी दर्शन का तभी लाभ है जब हम कन्या की रक्षा और उसके सम्मान का संकल्प आज के दिन ले।तभी शक्ति स्वरूपा देवी मां प्रसन्न होकर आपका मनोयोग पूर्ण करेगी।

डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संवत 2083: परंपरा, खगोल और हमारी साझी विरासत का नया पड़ाव

समय का पहिया जब एक निश्चित बिंदु पर पहुँचता है, तो वह अपने साथ स्मृतियों और नई संभावनाओं का एक साझा कोलाज लेकर आता है। आज भारतीय काल-गणना का एक नया अध्याय यानी विक्रम संवत 2083 जुड़ गया है। इसे किसी विशेष श्रेष्ठता के भाव से देखने के बजाय, समय को मापने की एक प्राचीन और खगोलीय पद्धति की निरंतरता के रूप में देखा जाना चाहिए। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा का यह दिन केवल पंचांग के पन्ने पलटने का नाम नहीं है, बल्कि यह उस खगोलीय गणना का हिस्सा है, जो सूर्य और चंद्रमा की गति के आधार पर ऋतुओं के परिवर्तन को रेखांकित करती है। वसंत की विदाई और बढ़ती गर्मी के बीच प्रकृति में जो बदलाव दिखते हैं, वे इस बात का संकेत हैं कि जीवन का चक्र रुकता नहीं, बल्कि बदलता रहता है। पेड़ों पर आती नई कोपलें और रबी की पकती फसलें किसी महान उपलब्धि का प्रमाण नहीं, बल्कि एक सहज प्राकृतिक प्रक्रिया है जिसे सदियों से मानवीय संवेदनाओं के साथ जोड़कर देखा जाता रहा है।

इसी तिथि को जब इतिहास के पन्नों में ब्रह्मा की सृष्टि रचना या प्रभु श्री राम के राज्याभिषेक जैसी मान्यताओं के साथ देखा जाता है, तो यह समाज की एक सामूहिक स्मृतिकथा का हिस्सा बन जाती है। यह महज एक संयोग नहीं है कि आज से ही चैत्र नवरात्रि की शुरूआत भी हो रही है, जो अगले नौ दिनों तक अनुशासन और संयम की एक साधना पद्धति को समाज के बीच रखती है। नवरात्रि का यह समय शक्ति की आराधना का वह पक्ष है जो पूरी तरह से मानसिक और शारीरिक शुद्धि पर केंद्रित रहता है। इसे किसी धार्मिक कट्टरता के बजाय आत्म-मंथन और संयमित जीवनशैली की एक कोशिश के रूप में समझा जाना चाहिए। कलश की स्थापना से लेकर माँ दुर्गा के नौ रूपों की पूजा तक, यह पूरी प्रक्रिया एक व्यक्ति को उसके आंतरिक द्वंद्वों से लड़ने और धैर्य रखने की प्रेरणा देती है। भारत जैसे भौगोलिक रूप से विविध देश में इस एक ही दिन के कई सामाजिक रंग दिखाई देते हैं। महाराष्ट्र में इसे गुड़ी पड़वा के रूप में एक विजय पताका के साथ मनाया जाता है, तो दक्षिण भारतीय राज्यों में उगादि के रूप में इसे नववर्ष का प्रतीक माना जाता है। यहाँ गौर करने वाली बात यह है कि उत्सव मनाने के तरीके अलग हो सकते हैं, लेकिन उनके केंद्र में समय की एक ही खगोलीय घटना विद्यमान है। राजस्थान के लिए भी आज का दिन एक प्रशासनिक और सांस्कृतिक तालमेल का है, जहाँ स्थापना दिवस के आयोजन को इस पारंपरिक तिथि के साथ जोड़ा गया है। यह फैसला आधुनिक व्यवस्था और प्राचीन मान्यताओं के बीच एक संतुलन बिठाने की कोशिश मात्र है।

बदलते हुए दौर में जब तकनीक हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है, तब ऐसी परंपराओं का बने रहना समाज की निरंतरता को दशार्ता है। आज के दिन नीम की पत्तियों और गुड़ का सेवन करने की जो पुरानी रस्म है, वह जीवन के वास्तविक फलसफे को बड़ी सादगी से बयां करती है। यह हमें बताता है कि जीवन में अनुकूल और प्रतिकूल, दोनों ही परिस्थितियाँ अनिवार्य हैं और उन्हें बिना विचलित हुए स्वीकार करना ही मनुष्यता है। त्योहारों का असली संदर्भ यही है कि वे लोगों को एक सामूहिक धरातल पर खड़ा करते हैं, जहाँ व्यक्तिगत पहचान के बजाय सामाजिक जुड़ाव को प्राथमिकता मिलती है। आज जब शंख की ध्वनि सुनाई देती है या घरों के बाहर तोरण सजते हैं, तो वह समाज की उस साझा विरासत का प्रतीक है जो सदियों से बिना किसी बड़े बदलाव के चली आ रही है। संवत 2083 की यह पहली किरण हमें अपनी जड़ों को समझने और उन्हें बिना किसी पूर्वाग्रह के देखने का अवसर देती है। भाषा, संस्कृति और त्यौहार किसी भी समाज के वे बुनियादी तत्व होते हैं जो उसे एक धागे में पिरोए रखते हैं। जब हम इन परंपराओं का पालन करते हैं, तो हम वास्तव में उस ज्ञान और उन अनुभवों के प्रति अपनी सहज स्वीकृति दे रहे होते हैं जो पीढ़ियों से हम तक पहुँचे हैं। इतिहास इस बात का गवाह रहा है कि समय के प्रवाह में वही समाज स्थिर रहता है जो अपनी पहचान को आधुनिकता के साथ संतुलित करना जानता है। आज का दिन हमें याद दिलाता है कि समय का रथ अपनी गति से चलता रहेगा और हमारा कर्तव्य केवल इस प्रवाह में अपनी भूमिका को ईमानदारी से निभाना है। विक्रम संवत 2083 का यह नया साल समाज के हर वर्ग के लिए स्थिरता और शांति का मार्ग प्रशस्त करे, यही समय की मांग है। यह वर्ष केवल अंकों का एक नया समूह न बने, बल्कि आपसी सद्भाव और बौद्धिक विकास का एक वास्तविक माध्यम बनकर उभरे। समय की रेत पर अंकित ये पदचिह्न हमें अपने बीते हुए कल और भविष्य के बीच सेतु प्रदान करते हैं। यह एक सुखद इत्तेफाक है कि खगोल और आस्था आज एक ही धरातल पर मिलते हैं।

दिलीप कुमार पाठक

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7455

★★★✯☆ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7454 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

दैनिक पंचांग

19 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मीन	05.53 बजे से
चंद्र	मीन में	मेष	07.27 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	09.07 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.05 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	13.19 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	15.35 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	17.47 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	19.57 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	22.12 ब.से
राहुकाल		धनु	00.28 बजे से
1.30 से 3.00		मकर	02.33 बजे से
बजे तक		कुंभ	04.20 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 78 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** चैत्र(दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अमावस्या 06.53 बजे तदनन्तर प्रतिपदा 04.53 बजे प्रात: को समाप्त **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 04.05 बजे रात्र को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 01.17 बजे रात्र को समाप्त। **करण** नाग 06.53 बजे, किंस्तुघ्न 17.56 बजे तदनन्तर बव 04.53 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 00° 38' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872653 **जूलियन दिन** 2461118.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रमजान **तारीख** 29 **विशेष** गुड़ी पड़वा, युगादी, चैत्र नवरात्रि, ज्योतिष दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक		अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक	
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक		चर	07.11 से 08.43 बजे तक	
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक		रोग	08.43 से 10.15 बजे तक	
चर	10.19 से 11.47 बजे तक		काल	10.15 से 11.47 बजे तक	
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक		लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक	
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक		उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक	
काल	02.43 से 04.11 बजे तक		शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक	
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक		अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

जेन-जी में जागती सनातन चेतना

आधुनिकता के बीच उभरता सनातन मूल्यों का पुनर्जागरण

भारत की नई पीढ़ी, जिसे आज आमतौर पर जेन-जी कहा जाता है, अपनी आधुनिक जीवनशैली के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक जड़ों की ओर भी तेजी से आकर्षित होती दिखाई दे रही है। पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न शहरों और कस्बों में होने वाले धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में युवाओं की बढ़ती भागीदारी इस बदलाव का स्पष्ट संकेत देती है। आधुनिक तकनीक, सोशल मीडिया और बदलती सामाजिक परिस्थितियों के बीच भी नई पीढ़ी का अपनी परंपराओं के प्रति झुकाव बढ़ना एक महत्वपूर्ण सामाजिक प्रवृत्ति के रूप में सामने आ रहा है। देश के अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सनातन परंपराओं को आधुनिक तकनीक के साथ प्रस्तुत किया जा रहा है। बड़े-बड़े मंचों पर सनातनी भक्ति संगीत, भजन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ एलईडी स्क्रीन के माध्यम से धार्मिक प्रसंगों, मंदिरों और देवी-देवताओं से जुड़े दृश्य दिखाए जाते हैं। कई आयोजनों में रामायण, महाभारत और पुराणों की कथाओं को नृत्य-नाटक और नाट्य रूपांतरण के माध्यम से प्रस्तुत किया जा रहा है। इन प्रस्तुतियों में युवा कलाकारों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिलती है। दर्शकों में भी बड़ी संख्या में युवा शामिल होते हैं, जो इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों को उत्साह के साथ देखते और सराहते हैं। इन आयोजनों में प्रवेश हेतु टिकट एवं पास की व्यवस्था होती है, साउंड, लाइट एवं बैठक सहित अन्य व्यवस्थाओं पर आर्थिक व्यय होता है, जिसके बावजूद युवा आर्थिक सहयोग के साथ ही कार्यक्रम में सहभागिता करते हैं।

धार्मिक त्योहारों के समय यह रुझान और भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। दिवाली, होली, राम नवमी, दशहरा, नवरात्रि, करवा चौथ, शिवरात्रि और जन्माष्टमी जैसे पर्वों पर युवा पीढ़ी पूरे उत्साह और सक्रियता के साथ भाग लेती है। कई स्थानों पर युवा स्वयं झांकियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, भजन संध्या और सामूहिक पूजा-अर्चना का आयोजन करते हैं। इन आयोजनों में पारंपरिक वेशभूषा, धार्मिक गीत-संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी परंपराओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जाता है। इससे युवाओं में अपनी सांस्कृतिक पहचान के प्रति गर्व और जुड़ाव की भावना भी विकसित होती है। सोशल मीडिया ने भी इस बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज की पीढ़ी मोबाइल और इंटरनेट के माध्यम से धार्मिक ग्रंथों, कथाओं और आध्यात्मिक विचारों तक आसानी से पहुंच बना रही है। विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म पर गीता, रामायण, उपनिषद और अन्य धार्मिक साहित्य से जुड़े विचार, प्रेरक प्रसंग और भक्ति संगीत बड़ी संख्या में साझा किए जाते हैं। कई युवा आध्यात्मिक विषयों पर आधारित वीडियो, पॉडकास्ट और लेखों के माध्यम से सनातन परंपराओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। इस प्रकार डिजिटल माध्यमों के जरिए शास्त्रों और आधुनिक जीवन के बीच एक नया संवाद स्थापित होता दिखाई दे रहा है।

आज की युवा पीढ़ी में धार्मिक तीर्थ यात्राओं के प्रति भी उल्लेखनीय उत्साह देखने को मिल रहा है। बड़ी संख्या में युवा देश के प्रमुख तीर्थस्थलों की यात्रा कर आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त करने की इच्छा रखते हैं। विशेष रूप से चारधाम यात्रा, बारह ज्योतिर्लिंग के दर्शन, 51 शक्ति पीठों की यात्राएं, दक्षिण भारत के प्रसिद्ध मंदिर तिरुपति बालाजी मंदिर के दर्शन, उत्तराखंड स्थित केदारनाथ मंदिर, जम्मू-कश्मीर के पवित्र धाम माता वैष्णो देवी मंदिर तथा राजस्थान के सीकर जिले में स्थित खाटू श्याम जी का प्रसिद्ध मंदिर की यात्रा व दर्शन युवाओं के लिए प्रमुख आकर्षण बनती जा रही है। कई युवा समूहों में इन तीर्थों की यात्रा करते हैं और अपने अनुभवों को सोशल मीडिया पर भी साझा करते हैं। इससे न केवल आस्था का प्रसार होता है, बल्कि अन्य युवाओं में भी इन पवित्र स्थलों के दर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। यह प्रवृत्ति दशार्ती है कि आधुनिक जीवन की व्यस्तता के बीच भी नई पीढ़ी अपनी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का प्रयास कर रही है।

आज की युवा पीढ़ी में सनातन परंपराओं से जुड़े संतों और आध्यात्मिक वक्ताओं के प्रति भी विशेष आकर्षण दिखाई दे रहा है। देश के विभिन्न स्थानों पर होने वाले सत्संग, कथा और धार्मिक आयोजनों में बड़ी संख्या में युवा भाग लेते हैं। विशेष रूप से प्रेमानंद जी महाराज, धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री (बागेश्वर धाम सरकार), जया किशोरी, देवकीनंदन ठाकुर और मुरारी बापू जैसे सनातनी संतों और कथावाचकों के प्रवचन युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हो रहे हैं। इनके सत्संगों में धर्म, भक्ति, संस्कार और भारतीय जीवन मूल्यों की सरल व्याख्या की जाती है, जिसे युवा आसानी से समझ पाते हैं। सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों के जरिए इनके प्रवचन लाखों युवाओं तक पहुंच रहे हैं, जिससे नई पीढ़ी में सनातन संस्कृति, आध्यात्मिकता और पौराणिक परंपराओं के प्रति रुचि और जागरूकता लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है।

युवाओं के बीच योग, ध्यान और भारतीय जीवन मूल्यों के प्रति भी रुचि बढ़ती दिखाई दे रही है। कई युवा अपने दैनिक जीवन में योग और ध्यान को शामिल कर रहे हैं तथा भारतीय दर्शन और आध्यात्मिक विचारों को समझने का प्रयास कर रहे हैं। यह प्रवृत्ति केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि एक संतुलित और सकारात्मक जीवनशैली की खोज से भी जुड़ी हुई है। वास्तव में आधुनिक तकनीक और पारंपरिक आस्था का यह संगम एक नई सांस्कृतिक प्रवृत्ति को जन्म दे रहा है। जहां एक ओर युवा आधुनिक शिक्षा, तकनीक और वैश्विक अवसरों के साथ आगे बढ़ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर वेयोग एवं आध्यात्म से जीवन में शांति व अच्छे स्वास्थ्य को भी महत्व दे रहे हैं। इस बदलते परिदृश्य को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि भारत की जेन-जी केवल आधुनिकता की ओर ही नहीं बढ़ रही, बल्कि वह अपनी सांस्कृतिक पहचान को भी नए रूप में समझने और अपनाने का प्रयास कर रही है।

भारत ही नहीं विश्व के लोकप्रिय नेता और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी सनातन परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं पुनरुत्थान पर विशेष बल दिया है। देश के कई प्रमुख धार्मिक स्थलों के विकास, पुनर्निर्माण और भव्य स्वरूप में पुनर्स्थापन के प्रयासों ने युवाओं का ध्यान अपनी सांस्कृतिक जड़ों की ओर आकर्षित किया है।

नीलेश वर्मा

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त खबरें

पालम अग्निकांड पर प्रधानमंत्री ने जताया शोक, मृतकों के आश्रितों को दो लाख के मुआवजे की घोषणा

नई दिल्ली, (एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली के पालम इलाके में बहुमंजिला इमारत में लगी आग की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने मृतकों के आश्रितों को दो लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की है।

प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि पालम में आग लगने की घटना दुखद है और उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि मृतकों के आश्रितों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि घायलों को 50-50 हजार रुपये दिए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि पालम स्थित राम चौक मार्केट में बुधवार सुबह करीब 7 बजे एक बहुमंजिला इमारत में आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। फिलहाल राहत और बचाव कार्य जारी है तथा आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। इस हादसे में अब तक 9 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य घायल बताए जा रहे हैं।

भाजपा में शामिल होने के बाद प्रद्युत बरदलै का कांग्रेस पर हमला, समुदायों की उपेक्षा का लगाया आरोप

गुवाहाटी/नई दिल्ली, (एजेंसी) :पूर्व कांग्रेस सांसद प्रद्युत बरदलै ने

बुधवार को भाजपा में शामिल होने के बाद अपनी पूर्व पार्टी कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस में जनजातियों और विभिन्न समुदायों के प्रति कोई सम्मान नहीं है।

नई दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रद्युत बरदलै ने कहा कि कांग्रेस की उपेक्षापूर्ण नीति के कारण विभिन्न समुदाय उससे दूर हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी ने समाज के विभिन्न वर्गों की समस्याओं को नजरअंदाज किया, जिसके चलते उसका जनाधार कमजोर होता गया।उन्होंने कहा, कांग्रेस किसी की परवाह नहीं करती। सभी समुदायों को नजरअंदाज करने की वजह से आज उसकी यह स्थिति हो गई है।सांसद प्रद्युत बरदलै ने आगे कहा कि कांग्रेस नेतृत्व और जमीनी स्तर के लोगों के बीच दूरी लगातार बढ़ती गई, जिसके कारण नेता और समर्थक पार्टी से दूर होते चले गए। इस दौरान कांग्रेस सांसद ने पार्टी पर कई अन्य आरोप लगाए।

रायगढ़ जिले में कंटेनर कार पर पलटा, 3 लोगों की मौत, 5 घायल

मुंबई, (एजेंसी) :मुंबई के पास रायगढ़ जिले के खोपोली में बुधवार को मुंबई-पुणे हाईवे पर ब्रेक फेल होने के बाद एक अनियंत्रित कंटेनर कई वाहनों को टक्कर मारते हुए एक कार पर पलट गया। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पुलिस के अनुसार, यह घटना मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर पुणे से मुंबई की ओर जाने वाली लेन में खोपोली के पास नई टनल के समीप हुई। अचानक कंटेनर का ब्रेक फेल हो गया, जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। अनियंत्रित कंटेनर ने रास्ते में चल रही कई गाड़ियों को टक्कर मार दी और अंततः एक कार के ऊपर पलट गया।घटना की सूचना मिलते ही खोपोली आईआरबी पेट्रोलिंग, देवदूत सिस्टम, बोरघाट हाईवे ट्रैफिक पुलिस, खोपोली पुलिस स्टेशन, डेल्टा फोर्स, महाराष्ट्र सिक्योरिटी फोर्स सहित अन्य राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंच गए। सभी टीमों ने मिलकर त्वरित कार्रवाई करते हुए घायलों को वाहन से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, जबकि घायलों का इलाज जारी है। मृतकों और घायलों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।खोपोली पुलिस स्टेशन की टीम पूरे मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों की विस्तृत पड़ताल की जा रही है।

सेवानिवृत्ति अंत नहीं, नई जिम्मेदारियों की शुरूआत: राधाकृष्णन

नई दिल्ली,(एजेंसी) : राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने आगामी अप्रैल से जुलाई के बीच अपना कार्यकाल पूरा कर सेवानिवृत्त हो रहे 59 सांसदों को विदाई देते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति को अंत नहीं, बल्कि नई भूमिकाओं और जिम्मेदारियों की शुरूआत के रूप में देखना चाहिए।

सभापति ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान के प्रावधानों के अनुसार हर दो वर्ष में सदन के एक-तिहाई सदस्य सेवानिवृत्त होते हैं, जिससे सदन की कार्यप्रणाली में निरंतरता बनी रहती है और नए सदस्यों को अपने विचार रखने का अवसर मिलता है।

उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, जो अनुभव और नई ऊर्जा के संतुलन को बनाए रखती है। सेवानिवृत्ति अंत नहीं, बल्कि नई जिम्मेदारियों की शुरूआत है। यह परंपरा नए सदस्यों को अवसर देने के साथ-साथ अनुभवी सदस्यों के मार्गदर्शन को भी बनाए रखती है। सेवानिवृत्त सदस्य अपने अनुभव और ज्ञान के माध्यम से आगे भी सार्वजनिक जीवन में योगदान देते रहेंगे।

विदाई भाषण में सभापति ने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के योगदान का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने किसानों और ग्रामीण भारत से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से सदन में उठाया। उनके अनुभव और किसानों एवं ग्रामीण समुदायों के प्रति प्रतिबद्धता ने सदन की चचाओं को समृद्ध किया। विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे की भूमिका को भी उन्होंने महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि खरगे ने संसदीय परंपराओं और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत किया। इसके साथ ही उपसभापति हरिवंश के कार्यकाल की सराहना करते हुए सभापति ने कहा कि उन्होंने सदन का संचालन गरिमा, निष्पक्षता और धैर्य के साथ किया और सभी दलों का सम्मान अर्जित किया।

विस चुनाव 2026 : भवानीपुर में प्रतिष्ठा की लड़ाई, ममता बनर्जी के गढ़ में शुभेंदु अधिकारी की चुनौती

कोलकाता, (एजेंसी) :पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में कोलकाता की वीआईपी मानी जाने वाली भवानीपुर विधानसभा सीट इस बार राज्य की सबसे हाई-प्रोफाइल सीटों में शामिल हो गई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के पारंपरिक गढ़ में इस बार भारतीय जनता पार्टी ने नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी को उम्मीदवार बनाकर मुकाबले को प्रतिष्ठा की सीधी लड़ाई में बदल दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस सीट का परिणाम सिर्फ एक विधानसभा क्षेत्र का नतीजा नहीं होगा, बल्कि राज्य की व्यापक राजनीतिक दिशा का संकेत भी दे सकता है।

भवानीपुर कोलकाता के मध्य स्थित एक पूरी तरह शहरी विधानसभा क्षेत्र है और यह कोलकाता दक्षिण लोकसभा सीट का हिस्सा है। यहां पास ही में महान शक्तिपीठ कालीघाट है। मां काली का स्थान होने की वजह से आसपास के इलाके को पहले भवानीपुर यानी मां भवानी का गढ़ कहा जाता था। धीरे-धीरे यह एक परिचित स्थान के तौर पर विकसित हुआ। इस विधानसभा क्षेत्र में कोलकाता नगर निगम के आठ वार्ड शामिल हैं। ऐतिहासिक रूप से यह इलाका ब्रिटिश काल में एक छोटे से गांव के रूप में विकसित हुआ था, लेकिन ईस्ट इंडिया कंपनी के विस्तार के साथ यह तेजी से महानगरीय कोलकाता का हिस्सा बन गया।

19वीं सदी तक भवानीपुर शिक्षित वर्ग, वकीलों और पेशेवरों का प्रमुख केंद्र बन चुका था। बंगाल के सामाजिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण में भी इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यही कारण है कि यह क्षेत्र लंबे समय तक बंगाल के बौद्धिक और सांस्कृतिक अभिजात वर्ग का निवास स्थान रहा।

भवानीपुर की पहचान केवल एक राजनीतिक सीट के रूप में नहीं बल्कि एक सांस्कृतिक केंद्र के रूप में भी रही है। यहां कई राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय प्रसिद्ध व्यक्तित्व रहे हैं, जिनमें नेताजी सुभाष चंद्र बोस, देशबंधु चित्तरंजन दास, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धार्थ शंकर रे और फिल्मकार सत्यजीत रे जैसे नाम शामिल हैं।

इसके अलावा संगीत और सिनेमा जगत के कई बड़े नाम भी इस क्षेत्र से जुड़े रहे हैं। इससे भवानीपुर की पहचान एक प्रतिष्ठित और ऐतिहासिक आवासीय क्षेत्र के रूप में मजबूत हुई है।आज का भवानीपुर विरासत और आधुनिकता का मिश्रण प्रस्तुत करता है। यहां एक ओर औपनिवेशिक काल की पुरानी इमारतें और हवेलियां हैं तो दूसरी ओर आधुनिक अपार्टमेंट और व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी तेजी से विकसित हुए हैं।

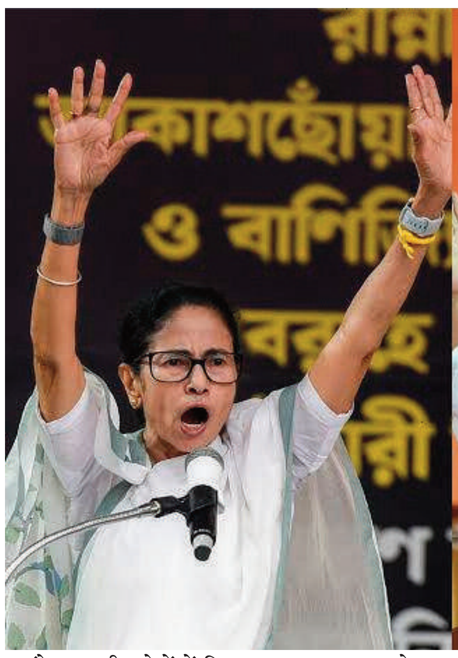

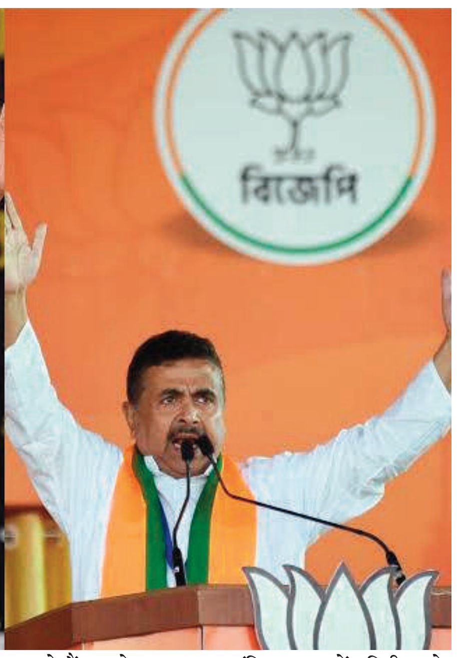

यह इलाका कोलकाता के सबसे महंगे आवासीय क्षेत्रों में गिना जाता है। यहां पारंपरिक व्यापार, आधुनिक खुदरा बाजार, शैक्षणिक संस्थान, कार्यालय और सेवा क्षेत्र का मजबूत नेटवर्क मौजूद है। संपत्ति की ऊंची कीमतें इस क्षेत्र की प्रीमियम पहचान को दशार्ती हैं।भवानीपुर की एक बड़ी विशेषता इसकी उत्कृष्ट कनेक्टिविटी है। मेट्रो नेटवर्क के तीन प्रमुख स्टेशन नेताजी भवन, रवींद्र सदन और जतिन दास पार्क इस क्षेत्र को शहर के अन्य हिस्सों से जोड़ते हैं। इसके अलावा प्रमुख सड़क मार्ग भी यातायात को सुगम बनाते हैं।इस क्षेत्र के आसपास कालीघाट मंदिर, नेताजी भवन, विक्टोरिया मेमोरियल और एसएसकेएम अस्पताल जैसे महत्वपूर्ण स्थल भी स्थित हैं, जिससे इसका प्रशासनिक और सांस्कृतिक महत्व और बढ़ जाता है।भवानीपुर का चुनावी इतिहास काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा है। शुरूआती दशकों में कांग्रेस का यहां मजबूत प्रभाव रहा और उसने कई बार जीत दर्ज की। बाद में वाम दलों का भी यहां प्रभाव देखने को मिला।

हालांकि, 2011 में परिसीमन के बाद इस सीट के पुनर्गठन के साथ ही राजनीतिक समीकरण बदल गए और तब से यह तृणमूल कांग्रेस का मजबूत गढ़ बन गई। 2011 से अब तक तृणमूल लगातार इस सीट को जीतती रही है।

ममता बनर्जी ने भी इस सीट से चुनाव जीतकर मुख्यमंत्री पद की संवैधानिक औपचारिकताएं पूरी की थीं। 2021 के उपचुनाव में उन्होंने भारी मतों से जीत दर्ज कर अपने प्रभाव को फिर साबित किया था।

2021 के विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी ने नंदीग्राम से चुनाव लड़ने का फैसला किया था, जहां उन्हें शुभेंदु अधिकारी से मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि तृणमूल ने राज्य में सरकार बना ली थी।

इसके बाद भवानीपुर से उपचुनाव जीतकर ममता बनर्जी फिर विधानसभा में लौटीं। इस पूरे घटनाक्रम ने भवानीपुर को उनके राजनीतिक करियर की एक केंद्रीय सीट बना दिया।

भवानीपुर की मतदाता संरचना पूरी तरह शहरी है। यहां मुस्लिम मतदाता लगभग 21.80 प्रतिशत हैं, जो चुनावी परिणामों को प्रभावित करने वाली महत्वपूर्ण आबादी माने जाते हैं। अनुसूचित जाति मतदाताओं की संख्या लगभग 2.23 प्रतिशत है।

इस सीट पर मध्यम वर्ग, उच्च मध्यम वर्ग और व्यवसायी समुदाय का भी महत्वपूर्ण प्रभाव माना जाता है। राजनीतिक दल इसी सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखकर अपनी रणनीति तैयार करते हैं।

भवानीपुर में मतदान प्रतिशत आमतौर पर शहरी सीटों के अनुरूप स्थिर रहा है, हालांकि इसमें समय-समय पर उतार-चढ़ाव देखा गया है। पिछले चुनावों के आंकड़े बताते हैं कि यहां मतदाताओं की भागीदारी लगातार महत्वपूर्ण स्तर पर बनी हुई है।

छत्तीसगढ़ में रायपुर के रामकृष्ण केयर अस्पताल में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान तीन सफाई कर्मचारियों की मौत

रायपुर, (एजेंसी) :छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पचपेढ़ी नाका स्थित रामकृष्ण केयर अस्पताल में मंगलवार रात सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान एक दर्दनाक हादसे में तीन सफाई कर्मचारियों की दम घुटने से मौत हो गई।

अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. संदीप दवे ने घटना को दुखद बताया और कहा कि ये मजदूर आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से काम कर रहे थे। अस्पताल प्रबंधन ने मृतकों के परिजनों को 15-15 लाख रुपये का मुआवजा देने और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने का आश्वासन दिया है। उधर, हादसे के बाद अस्पताल परिसर में भारी हंगामा मच गया और परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। टिकरापारा और न्यू राजेंद्र नगर थाने की पुलिस मौके पर तैनात है।

टिकरापारा थाना प्रभारी और एडीसीपी पश्चिम राहुल देव शर्मा ने हादसे में तीन मजदूरों की मौत की पुष्टि की है। मृतकों की पहचान गोविंद सेंद्र(35 वर्ष), अनमोल मचकन (25 वर्ष)और प्रशांत कुमार (22 वर्ष)के रूप में हुई है, जो सिमरन सिटी क्षेत्र के निवासी थे। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है और मामले की जांच के लिए मर्ग कायम किया है। टिकरापारा थाना पुलिस ने बताया कि वर्तमान में मर्ग कायम किया है और जांच के बाद दोषियों पर गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया जायेगा।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, अस्पताल प्रबंधन द्वारा सेप्टिक टैंक की सफाई के लिए तीन युवकों को बुलाया गया था। सफाई के दौरान टैंक के अंदर मौजूद जहरीली गैस के कारण तीनों बेहोश होकर गिर पड़े। कुछ ही देर में स्थिति गंभीर हो गई और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीम को बुलाया गया, जिसने कड़ी मशक्कत के बाद तीनों को बाहर निकाला और तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

घटना के बाद अस्पताल परिसर के बाहर भारी संख्या में पहुंचे परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। परिजनों का आरोप है कि मजदूरों को बिना किसी सुरक्षा उपकरणों के टैंक में उतारा गया था। शुरूआती जांच और चश्मदीदों का भी कहना है कि मजदूरों को बिना किसी सुरक्षा उपकरण या मास्क के टैंक में उतारा गया था। टैंक के भीतर अत्यधिक जहरीली गैस होने के कारण यह हादसा हुआ।

अस्पताल प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि ये मजदूर एक बाहरी कॉन्ट्रैक्ट एजेंसी के माध्यम से तैनात थे। अस्पताल ने संबंधित कॉन्ट्रैक्ट एजेंसी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है और मामले की आंतरिक जांच शुरू कर दी है। सफाई ठेकेदार किशन सोनी ने बताया कि वह रस्सी लेने गया था, तभी मजदूर बिना सुरक्षा के टैंक में उतर गया।

विधानसभा चुनाव के लिए हर 70 मतदाता पर एक चुनाव कर्मी की तैनाती

नई दिल्ली, (एजेंसी) :चुनाव आयोग ने पांच राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेश में चुनाव के विभिन्न चरणों को सुचारू और व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए 25 लाख से अधिक चुनाव कर्मियों को तैनात किया है। इन चुनावों में पात्र मतदाताओं की संख्या 17.4 करोड़ से अधिक है। यानी लगभग हर 70 मतदाता पर एक चुनावकर्मी तैनात है।

चुनाव आयोग के अनुसार तैनात कर्मियों में लगभग 15 लाख मतदानकर्मी, 8.5 लाख सुरक्षाकर्मी, 40 हजार मतगणना कर्मी, 49 हजार सूक्ष्म पर्यवेक्षक, 21 हजार सेक्टर अधिकारी, मतगणना के लिए 15 हजार सूक्ष्म पर्यवेक्षक और अन्य अधिकारी शामिल हैं।

आयोग के अनुसार 21 लाख से अधिक बीएलओ सहित जमीनी स्तर की चुनाव मशीनरी मतदाताओं के लिए फोन कॉल और ईसीआईएनईट ऐप पर बीएलओ को कॉल बुक करने की सुविधा के माध्यम से उपलब्ध है। डीईओ/आरओ स्तर पर किसी भी शिकायत/प्रश्न को दर्ज करने के लिए कॉल सेंटर नंबर +91 (एसटीडी कोड) 1950 भी उपलब्ध है।

उल्लेखनीय है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कहा था कि अधिकारियों को पूरी निष्पक्षता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि चुनाव हिंसा और प्रलोभन से मुक्त हों और प्रत्येक मतदाता बिना किसी भय या पक्षपात के मतदान कर सके।

इससे पहले आम चुनाव और उपचुनावों के दौरान आयोग की निगरानी के लिए 832 विधानसभा क्षेत्रों में 1,111 केंद्रीय पर्यवेक्षकों को तैनात किया गया था। इनमें 557 सामान्य पर्यवेक्षक, 188 पुलिस पर्यवेक्षक और 366 व्यय पर्यवेक्षक शामिल हैं।

अमृतानंदमयी मां 1100 से अधिक भक्तों के साथ पहुंची अयोध्या

अयोध्या,(एजेंसी) : माता अमृतानंदमयी अपने 1100 से अधिक भक्तों के साथ अयोध्या पहुंच गई हैं। वे गुरूवार को राम मंदिर में आयोजित होने वाले वर्ष प्रतिपदा महोत्सव में शामिल होंगी। मां अमृतानंदमयी ने पूरे राम मंदिर परिसर का भ्रमण किया। यह जानकारी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने दी

बुधवार को ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि माता अमृतानंदमयी अपने 1100 से अधिक भक्तों के साथ अयोध्या पहुंच गई हैं। आज विश्व हिन्दू परिषद के संरक्षक निदेशचन्द्र के साथ अमृतानंदमयी ने पूरे राम मंदिर परिसर का अवलोकन किया। महासचिव राय ने बताया कि वर्ष प्रतिपदा पर गुरूवार को श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में कार्यक्रम से पूर्व आमंत्रित अतिथियों के आवास के आसपास नववर्ष के प्रथम दिवस स्वयंसेवकों का एकत्रीकरण होगा। संघ की शाखा लगेगी तथा ध्वज प्रणाम के साथ ही आद्य सरसंघचालक प्रणाम किया जाएगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक के सम्मान और स्मृति में यह प्रणाम किया जाता है। आमंत्रित प्रतिष्ठितजनों के लिए आठ स्थानों पर भोजनालय की व्यवस्था की गई है। प्रवेश के लिए मुख्यतः दो द्वारों बिड़ला धर्मशाला के सामने और रंग महल बैरियर निर्धारित किया गया है।

आवासीय प्रबंध के बारे में बताया कि मन्दिर से पूर्व दिशा में पूर्वी उत्तर प्रदेश के विशिष्ट अभ्यागतजन रुकेंगे तथा मन्दिर के आसपास रामघाट,दोराही कुंआ आदि क्षेत्र में उत्तराखंड, मेरठ व ब्रज प्रांत के आमंत्रितजनों की आवासीय व्यवस्था की गई है। बाहर से बसों से आने वाले निर्माण सहयोगियों के ठहरने का प्रबंध चूड़ामणि चौराहे के आस पास तथा तीर्थ क्षेत्र पुरम में किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि मन्दिर आंदोलन और निधि संकलन में दायित्व निभाने वाले कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में बुलाए गए हैं। उन्होंने कहा कि स्थानाभाव के कारण अनेक कार्यकताओं को नहीं आमंत्रित किया जा सका है।

नौ साल में बॉटल नेक से ब्रेकथ्रू स्टेट बना उत्तर प्रदेश: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, (एजेंसी) :उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य में इन नौ वर्षों में जो भी परिवर्तन हुआ है, वह प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में ही सम्भव हुआ है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं और जनता जनार्दन के सहयोग का प्रतिफल है। इन नौ साल में उत्तर प्रदेशा बॉटल नेक से ब्रेकथ्रू स्टेट बन गया है।

योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा सरकार के नौ साल पूरे होने पर बुधवार को लोकभवन में'नवनिर्माण के नौ वर्ष' कार्यक्रम आयोजित किया

गया। इस मौके पर नवनिर्माण के नौ वर्ष शीर्षक से उपलब्धियों की एक पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले प्रदेश में नौकरी का विज्ञापन निकलते ही वसूली के लिए झोला लेकर महाभारत के सभी रिश्ते निकल पड़ते थे। अब इंफ्रास्ट्रक्चर, नौकरी, रोजगार, महिलाओं के लिए, दलितों, वंचितों और गरीबों के कल्याण को ध्यान में रखकर किये गए कार्य ने यूपी को फिर से पहचान दी है। उन्होंने कहा कि अगले नौ दिनों तक राज्य में अलग अलग थीम पर कार्यक्रम आयोजित होंगे। आगे के लिए हमारा विजन क्या होगा, इस पर भी चिन्तन करेंगे। नौ सालों में किये गए कार्यों को लेकर मंथन चिन्तन कर जनता

के बीच जाएंगे। इन सभी मुद्दों पर नौ दिनों तक यह कार्यक्रम चले। उन्होंने अपील की कि हम युवाओं, श्रमिकों, गरीबों, महिलाओं के बीच इन विषयों और चर्चा करें। कल से त्योहार है। हम में खुशी है। किसी प्रकार का डर नहीं है। बेहतर सुरक्षा की वजह से बड़ा बदलाव हुआ है। आज लोग नव वर्ष पर और त्योहारों पर मंदिरों में जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पहली सरकार में 30 हजार पुलिस भर्ती करनी थी। ट्रेनिंग के लिए हमारे पास केवल तीन हजार वाला ट्रेनिंग सेंटर ही था। केंद्र से भी बात की। लेकिन भर्ती नहीं हो पा रही थी। मामला कोर्ट में होने की वजह से रुकावट आ रही थी। हमने कहा कि न्यायालय का आदर करते हुए भर्ती पूरी की जाए। 30 हजार युवाओं को नौकरी दी गयी। तीन वीरांगनाओं के नाम पर पीएसी बटालियन का गठन किया है। हर जिले में एक एक साइबर थाना और हेल्प डेस्क है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 से पहले सड़क में गड्ढा है या गड्ढे में सड़क, पता नहीं चलता है। आज उत्तर की कनेक्टिविटी अच्छी हुई है। गांव, तहसील, जिला और प्रदेश मुख्यालय कनेक्ट किये गए हैं। देश का पहला रोपवे काशी में बन रहा है। आज यूपी में 16 डोमेस्टिक एयरपोर्ट और चार अंतरराष्ट्रीय हवा-ईअड्डा है। उत्तर प्रदेश आज इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदेश बना है। पहले कोई निवेशक नहीं आता था। 1947 से 2017 तक महज 14 हजार उद्योग थे। आज 31 हजार से अधिक उद्योग हैं। इसमें 65 लाख से अधिक लोग कम कर रहे हैं। यूपी में 96 लाख एमएसएमई इकाइयां कार्य कर रही हैं।योगी ने कहा कि पहले वाले मुख्यमंत्री नोएडा नहीं जाते थे। उन्हें कुर्सी जाने का डर था। मुख्यमंत्री बनते ही मैं नोएडा गया। मैंने कहा कि कुर्सी रहे या जाए, मैं नोएडा जरूर जाऊंगा। आज नोएडा में फैक्ट्रियां लगी हैं। मोबाइल फोन नोएडा में बन रहे हैं। आज यूपी में 15 लाख करोड़ का ग्राउंड ब्रेकिंग किया जा चुका है। आज कृषि का साढ़े आठ से बढ़कर 18 फीसदी ग्रोथ रेट है। तीन लाख 16 हजार 895 करोड़ किसानों को गन्ना मूल्य का भुगतान किया गया। घटतौली बन्द हो गया है। अब किसानों को ठगा नहीं जा रहा है। बेटियों को नौकरी दी जा रही है। हमने जाति, पंथ और क्षेत्र नहीं देखा। योजनाएं सभी के लिए लागू की गईं। बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में एक करोड़ 60 लाख से अधिक बच्चे पढ़ रहे हैं। कान्वेंट स्कूलों की तरह उन्ह बच्चों को ड्रेस, जूते और स्कूल बैग दिए जा रहे हैं। शौचालय, पीने के लिए पानी की व्यवस्था किया गया है। पहली बार संस्कृत पढ़ने वाले बच्चों के लिए स्कॉलरशिप योजना लागू की गई है। वह डिस्ट्रिक्ट वन माफिया से बाहर निकल कर ओडोओपी, वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज योजना लागू की गई है।कार्यक्रम में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री एवं उत्तर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि नौ साल पहले यूपी की जनता ने मेवा वालों को हटाकर सेवा वालों को सत्ता दिया। दंगा वालों को हटाकर गंगा वालों को कुर्सी पर बैठाया।

19-03-2026 T.P. Page 8_Layout 1 19-03-2026 01:24 Page 1

पत्नी को दें सम्मान

अपने से बुरा व्यवहार किसी को पसंद नहीं आता, फिर घर की लक्ष्मी का तिरस्कार, कई मामलों में उसकी रूचि खत्म कर सकता है। यदि दोनों कामकाजी हैं तो अहम के टकराव के चलते तलाक तक हो सकता है।

पति-पत्नी का रिश्ता बेहद नाजुक, किन्तु प्रेम से भरा होता है। दो अनजान लोग विवाह बंधन में बंधकरएक हो जाते हैं और पूरी उम्र साथ काटते हैं।

हमारे देश में विवाह सात जन्मों का बंधन माना जाता है, लेकिन इस रिश्ते को तोड़ सकती है तो केवल एक-दूसरे के प्रति सम्मान की कमी।

क्या हो सकता है ?

अपने से बुरा व्यवहार किसी को पसंद नहीं आता, फिर घर की लक्ष्मी का तिरस्कार, कई मामलों में उसकी रूचि खत्म कर सकता है। यदि दोनों कामकाजी हैं तो अहम के टकराव के चलते तलाक तक हो सकता है।

क्यों दें सम्मान?

दूसरे को सम्मान देना तो हमारी तहजीब व संस्कृति है, इसमें भला शर्म कैसी? पत्नी आपके सुख-दुख की बराबर की हकदार है।

आप अपने बच्चों के लिए अच्छा उदाहरण कभी नहीं बन पाएंगे। स्वयं की श्रेष्ठता प्रमाणित करने के लिए कभी अपशब्दों का सहारा लेने से काम नहीं बनेगा।

क्या होता है ऐसे रिश्तों में

यदि पति पत्नी को सबके सामने या घर पर सम्मान नहीं देता तो इससे दाम्पत्य जीवन पर बुरा असर पड़ता है।

बच्चे भी मां को सम्मान नहीं देंगे।

संयुक्त परिवार है तो अन्य रिश्ते-नातों पर भी फर्क पड़ेगा।

पत्नी के मन में या तो कुंठा पलने लगेगी या विद्रोह पनपेगा।

पत्नी यदि जवाब देने लग जाए अथवा विरोध करेगी तो घर युद्ध का मैदान बन जाएगा।

बच्चों में अच्छे संस्कार नहीं पनपेंगे। उनकी भाषा भी असंयत हो जाएगी।

प्यार से बोल के तो देखें

पत्नी से प्यार से बोल कर तो देखें, उसे सम्मान देकर तो देखें, आपका दाम्पत्य गुलजार हो जाएगा।

सम्मान केवल बोली में ही नहीं, हाव-भाव आचार-व्यवहार में भी दिखना चाहिए।

गृहस्थी तो दो पहियों की गाड़ी है, यदि एक पहिया भी असंतुलित हुआ तो मुश्किल होगी। जीवन साथी को सम्मान देने से आप नीचे नहीं हो जाते है, बल्कि आपका बड़प्पन, शिक्षा व उसके प्रति चिन्ता झलकती है।

कैसे बदलें आदत

यदि आप भी आज तक पत्नी को कमतर समझते आ रहे हैं तो प्रण कीजिए कि अपनी आदत बदलेंगे।

शुरूआत उसके हर काम को महत्व देने से करें।

शुक्रिया-धन्यवाद कहने से पत्नी का मनोबल बढ़ेगा।

यदा-कदा तारीफ करें तो बड़प्पन आपका ही झलकेगा।

पत्नी से ऊंची आवाज में बात करना या छोटी-छोटी गलतियों के लिए उसे डांटना बंद कर दीजिए।

बच्चों से भी मम्मी से ऊंची आवाज में बात करने को मना करें।

पत्नी की राय किसी मुद्दे पर आपसे अलग है तो धैर्यपूर्वक उसकी बात सुनें, हो सकता है वो सही हो।

शुरूआत मे हिचक हो सकती है, पर घबराए नहीं। आप सुदृढ़ दाम्पत्य की ओर ही कदम बढ़ाएंगे।

आपके घर है पार्टी

पार्टी में मेजबान की हैसियत से आपको मेहमानों को खाना भी सर्व करना पड़ सकता है। अगर आप एप्रिन नहीं पहनेंगी तो हो सकता है, खाना सर्व करते वक्त खाने की कुछ बूंदें आपके कपड़ों पर गिर जाएं और आपका पार्टी वियर खराब हो जाए।

अगर आप अपने घर में पार्टी देने की सोच रही हैं और चाहती हैं कि हर कोई आपकी मेहमाननवाजी और आपकी तारीफ करे तो पार्टी के वक्त आपको इन छोटी-छोटी बातों पर जरूर ध्यान देना होगा।

न पहनें भारी गहने

आप मेजबान हैं तो जाहिर तौर पर आपको खाना बनाना और सर्व करना भी होगा। ऐसे में भारी-भरकम गहने आपके लिए परेशानी का सबब बन सकते हैं। इसलिए आप हल्की और आसानी से पहनी जा सकने वाली ज्वैलरी को तरजीह दें।

कपड़े के ऊपर पहनें खूबसूरत एप्रिन

पार्टी में मेजबान की हैसियत से आपको मेहमानों को खाना भी सर्व करना पड़ सकता है। अगर आप एप्रिन नहीं पहनेंगी तो हो सकता है, खाना सर्व करते वक्त खाने की कुछ बूंदें आपके कपड़ों पर गिर जाएं और आपका पार्टी वियर खराब हो जाए। एप्रिन पहनने से इस परिस्थिति से बचा जा सकता है। हां, एप्रिन आपका काफी सुंदर होना चाहिए।

आस्तीन को करें ऊपर

अगर आपने पार्टी के दौरान ऐसा कपड़ा पहना है, जो पूरी आस्तीन का है तो आस्तीनों को थोड़ा मोड़कर कोई स्टाइलिश बटन या पिन लगा लें। इससे खाना सर्व करते वक्त आपके कपड़े खराब नहीं होंगे।

टिकाऊ लिप ग्लॉस लगाएं

पार्टी के दौरान मेकअप ठीक करने का मौका आपको नहीं मिलेगा, इसलिए मेकअप करते वक्त आप लंबे समय तक चलने वाला ब्राइट रंग का लिप ग्लॉस लगाएं। इससे आपका चेहरा लंबे समय तक दमकता रहेगा। इसके अलावा वाटरप्रूफ मेकअप का इस्तेमाल करें, जो पसीने से खराब न हो।

पहनें फ्लैट चप्पल

पार्टी के दौरान बहुत सारे काम होते हैं। इसलिए आप हील्स की जगह स्टाइलिश फ्लैट चप्पल पहनें। इससे आप आराम महसूस करेंगी और आसानी से हर काम भी कर पाएंगी।

इनसे बनाएं ज्वैलरी होल्डर्स

पुराना और काम में न आने वाला कद्दूकस फेंकने से पहले एक बार फिर सोच लें। इस पुराने कद्दूकस को आप अपने पसंदीदा रंग या नीले, गुलाबी रंग से पेंट करें। पेंट सूख जाने के बाद अपनी ड्रेसिंग टेबल पर रखकर अपनी ईयररिंग्स इस पर टांग सकती हैं।

ज्वैलरी किसे पसंद नहीं होती, लेकिन अक्सर महिलाएं ज्वैलरी को इधर-उधर रख देती हैं। इस आदत का नुकसान तब उठाना पड़ता है, जब किसी जरूरी पार्टी में जाना हो और ज्वैलरी आसानी से न मिले। ऐसी परिस्थिति से बचने के लिए पुरानी चीजों से बनाएं ये अनोखे ज्वैलरी होल्डर।

कद्दूकस ईयररिंग्स होल्डर

पुराना और काम में न आने वाला कद्दूकस फेंकने से पहले एक बार फिर सोच लें। इस पुराने कद्दूकस को आप अपने पसंदीदा रंग या नीले, गुलाबी रंग से पेंट करें। पेंट सूख जाने के बाद अपनी ड्रेसिंग टेबल पर रखकर अपनी ईयररिंग्स इस पर टांग सकती हैं।

चॉपिंग बोर्ड होल्डर

किचन में इस्तेमाल होने वाले पुराने चॉपिंग बोर्ड से बढिया ज्वैलरी होल्डर शायद ही कोई हो। इसे पेंट करके कील की सहायता से लटकाएं। उसके बाद छोटे-छोटे हुक्स लगाकर आप नेकलेस, ईयररिंग्स और ब्रेसलेट को आसानी से टांग सकती हैं।

फोटो फ्रेम होल्डर

पुराना फोटो फ्रेम खाली करें। रूई और कपड़े की मदद से छोटी-सी गद्दी बनाएं और फिर इसको पुराने फोटो फ्रेम के पीछे चिपकाएं। इसमें हुक आदि की मदद से ईयररिंग्स, चेन आदि टांगें। पुराने तकिए या कुशन की रूई गद्दी बनाने के काम में लें।

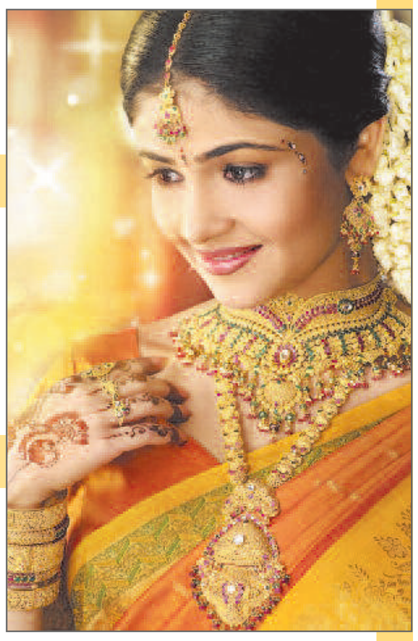

हैंडल होल्डर

ड्रेसिंग टेबल पर या किसी भी ड्राअर की साइड में आप एक तरफ से खुला हैंडल लगवाएं। इस हैंडल पर आसानी से अपने बैंगल्स, कड़े, चेन आदि टांग सकती हैं। खासकर बच्चों की ज्वैलरी इस पर टांगें, उन्हें लेने-पहनने में आसानी होगी।

हैंगर होल्डर

ड्रेसिंग टेबल के पास हैंगर को लटकाएं। इसके ऊपर ब्रेसलेट, मालाएं, नेकलेस और ईयररिंग्स, यहां तक कि अपने सनग्लासेस को भी आसानी से टांग सकती हैं। जब भी बाहर जाना हो, आसानी से इस पर से अपनी ज्वैलरी उतारें और पहनें।

कप-प्लेट होल्डर

घर में क्रॉकरी सेट तो बहुत होंगे। उनमें से कई कप-प्लेट पुराने पड़ चुके हैं तो आप उन्हें छोटी-मोटी ज्वैलरी रखने के लिए ज्वैलरी होल्डर के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं। ये आपकी ज्वैलरी को धूल-गंदगी से भी सुरक्षित रखेंगे।